



किरोड़ीमल महाविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

NAAC A++, NIRF RANK 9



विवरण-पत्रिका

2024-2025



“वयं विश्वे जागृत्याम”

(हमें विश्व को उल्लासपूर्ण और प्रबुद्ध बनाए रखना चाहिए)



अस्वीकरण : यह विवरण-पत्रिका विद्यार्थियों से सम्बन्धित जानकारी को सुविधाजनक बनाने के लिए है।
किसी विसङ्गति के सन्दर्भ में दिल्ली-विश्वविद्यालय के नियम और दिशानिर्देश मान्य होंगे।



कुलगीत दिल्ली विश्वविद्यालय

जयति जय जय-जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम
श्रेष्ठ सुन्दर दिव्य दिल्ली
विश्व विद्यालय विहंगम

सकल वसुधा निज कुटुंब की
भावना संस्कृति सनातन
आधुनिक शिक्षा पुरातन
ज्ञान धाराओं का संगम
देश की स्वाधीनता हित
भूमिका शत कोटि वंदन
निष्ठा धृति सत्यम के मंगल
दिव्य भावों का समागम
जयति जय जय-जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम

भव्य महाविद्यालयों के
परिसरों से चिर सुशोभित
श्रेष्ठ गुरुजन कर रहे नित
छात्र और छात्राएँ दीक्षित
सद्चरित्राचार पावन
साधना संकल्प संयम
नवल वैश्विक चेतना
नव क्रान्ति संस्कारों का उद्गम
जयति जय जय-जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम
श्रेष्ठ सुन्दर दिव्य दिल्ली
विश्वविद्यालय विहंगम

रचनाकार
गजेन्द्र सोलंकी
अंतरराष्ट्रीय कवि, गीतकार



विषयवस्तु

किरोड़ीमल महाविद्यालय के सन्दर्भ में	3
प्राचार्योद्बोधन	4
प्रत्यायन	5
विभिन्न स्नातक-पाठ्यक्रमों में छात्रों की प्रवेश सङ्ख्या	6
श्रेणी-वार वितरण के साथ बीए (प्रोग्राम)	
पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश संख्या (विषय के साथ)	7
स्नातक-शुल्क-संरचना शैक्षणिक-सत्र 2024-2025 (यूजीसीएफ-पाठ्यक्रमों के लिए)	8
स्नातकोत्तर शुल्क संरचना शैक्षणिक सत्र 2024-2025	9
प्रवेश सामान्य सूचना	10
नियम और अध्यादेश	12
प्रवेश हेल्पडेस्क	15
छात्रवृत्तियाँ और पुरस्कार	18
वित्तीय सहायता	19
विदेशी भाषाओं में सर्टिफिकेट कोर्स : फ्रेंच और जर्मन	20
आधारभूत संरचना	21
पदाधिकारी	25
नोडल अधिकारी	26





शिक्षक प्रभारी	27
समितियाँ एवं संयोजक	28
विभाग एवं शिक्षक-सदस्य	31
राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी)	45
राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	46
प्रशासनिक-समितियाँ	47
छात्र-गतिविधि समितियाँ	48
पाठ्येतर गतिविधियाँ	51
सांस्कृतिक-समिति	52
अतिरिक्त छात्र सोसायटी	54
शैक्षिक पुरस्कार 2023-2024	56
हमारा वैभव	60
हमारे चयन-कर्ता	62
हमारे उल्लेखनीय पूर्व-छात्र	63
शैक्षणिक दैनन्दिनी (छमाही I और II)	65
शैक्षणिक दैनन्दिनी (छमाही III, IV, V और VI)	66
विवरण-पत्रिका समिति	67



किरोड़ीमल महाविद्यालय के सन्दर्भ में

1954 में स्थापित किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रमुख संस्थाओं में से एक है। प्रशस्तता और उपलब्धियों के लिए प्रसिद्ध, यह सतत पूर्णता की दिशा में प्रयासरत है। सप्त-दशकों की यात्रावधि में, अपने विनीत आरम्भ से, यह कुशल-प्रशिक्षण-संस्थान के रूप में, देशभर के अनेक युवाओं के आकर्षण का केन्द्र रहा है।

बुद्धिमत्ता, सौंदर्यशास्त्र, और कल्पनाशीलता सहित विविध पृष्ठभूमियों से आए युवा-हृदय का मार्गदर्शन करने के लिए यह नवाचारी तकनीक का उपयोग करता है। इसका सांस्कृतिक, विविधता और नवीन दृष्टिकोणों को प्रोत्साहित करने का विशेष महत्त्व है, जो एक जीवन्त और समावेशी समुदाय को पोषित करता है।

यह महाविद्यालय छात्रों के समग्र विकास के प्रति समर्पित है, जिसका उद्देश्य व्यावसायिक सक्षमता हासिल करना और समस्याओं को सफलता के अवसर में परिवर्तित करने के लिए नेतृत्व को पोषित करना है। महा. विद्यालय के कर्मचारी, संस्थान को गौरवशाली दिशा में बढ़ाने के लिए निरन्तर प्रयासरत रह, इसकी दृष्टि-विन्यासी धरोहर को पुष्ट करते हैं। शिक्षा-अध्ययन-प्रणाली छात्र-केन्द्रित होने के साथ-साथ, छात्रों को उनके सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रेरित करती है।

महाविद्यालय नाट्य, कला, और संगीत की विविधता को प्रस्तुत कर व छात्रों की सृजनात्मक-दक्षता को पोषित कर, वैश्विक-नागरिक बनने के लिए सुसज्जित करता है। शिक्षा-प्रणाली में रचनात्मकता को महत्त्व देने के साथ-साथ, संस्थान, छात्रों में स्वतन्त्र-विचार को प्रोत्साहित कर एक जीवन-पर्यन्त-अध्ययन की निरन्तर प्रेरणा प्रदान करता है।

महाविद्यालय देश भर से हितधारकों की विभिन्न शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गुणवत्तापूर्ण मूलभूत संरचना प्रदान करता है। इसमें पूर्णतः सङ्गणकीकृत पुस्तकालय, एक नवीनतम-सङ्गणक-केन्द्र, प्रक्षेप-युक्त सूचना और सञ्चार प्रौद्योगिकी उद्यमिता (ICT)-सक्षम कक्षाएँ, वाई-फाई-सक्षम-परिसर और आधुनिक प्रयोगशालाओं की विशेषता है। सक्रिय-अध्ययन और सहभागी-शिक्षण-शास्त्र हेतु, चर्चा-कक्ष और परिसम्वाद-कक्ष जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जो वार्तालाप को सुविधाजनक बनाने में सहायक हैं।

महाविद्यालय छात्र-योग्यता के आधार पर पुरुष-छात्रावास-सुविधाएँ प्रदान करता है, जो परिसर में आवश्यक और सहयोगात्मक रहने का वातावरण प्रदान करती हैं। ये आवास-सुविधाएँ शैक्षिक-भवनो, पुस्तकालयों, भोजन-सुविधाओं और मनोरंजन-क्षेत्रों तक सुगम-पहुँच सुनिश्चित करती हैं, जो छात्र-अनुभव को एक सीमा तक परिष्कृत करती हैं। शैक्षिक संसाधनों के निकट होने से सुविधा बढ़ती है और समुदाय-निर्माण और सञ्चार के अवसर प्राप्त होते हैं, जिससे छात्रों के मध्य अपनत्व की भावना दृढ़ होती है।

महाविद्यालय में सह-शैक्षिक और अति-शैक्षिक प्रतिभाओं को पोषित करने हेतु विशिष्ट-स्थल हैं, जो छात्रों की बुद्धिमत्ता और विश्लेषणात्मक सोच को प्रोत्साहित करते हैं। हरित-परिसर, जिसमें इसके वाञ्छित उद्यान, फुलवारी, और विस्तृत क्षेत्र हैं, ज्ञान-प्राप्ति और मानववादी-दृष्टिकोण विकसित करने के लिए शान्तिपूर्ण वातावरण प्रदान करता है।

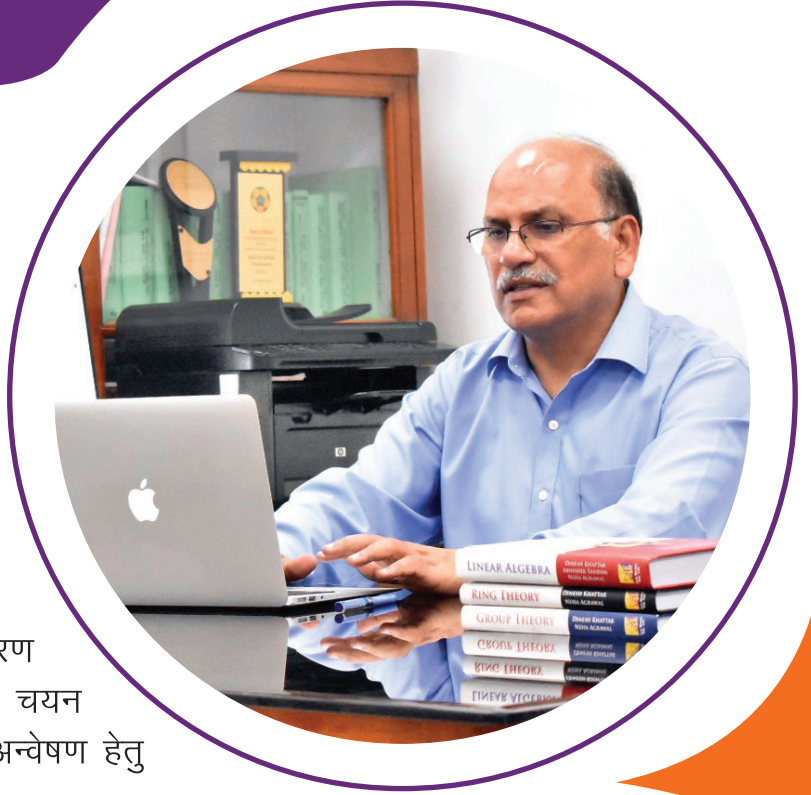
महाविद्यालय सक्रिय रूप से, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), और अन्य सह-शैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से सङ्गोष्ठियों, व्याख्यानों, कार्यशालाओं, और गतिविधियों के सङ्गठन को प्रोत्साहित करता है। अनेक छात्रवृत्ति और वित्तीय-सहायता-विकल्प, योग्य और अभावग्रस्त छात्रों के लिए उपलब्ध हैं। किरोड़ीमल महाविद्यालय नवागन्तुक-छात्रों का हार्दिक अभिनन्दन व स्वागत कर, उन्हें अपने व्यक्तिगत-दृष्टिकोण-निर्मिति हेतु प्रोत्साहित कर, अपनी गर्वित धरोहर को सम्मानित करता है।



प्राचार्योद्बोधन

प्रिय विद्यार्थियों,

देश के प्रमुख शिक्षण-संस्थानों में से अन्यतम व दिल्ली विश्वविद्यालय के एक अत्यन्त-प्रतिष्ठित-घटक, किरोड़ीमल महाविद्यालय में आपका हार्दिक स्वागत है। महाविद्यालयीय-जीवन एक नए अध्याय के प्रारम्भ को चिह्नित करता है, जो विद्यालय के संरचित वातावरण से परिवर्तित होकर आकांक्षाओं, आशाओं और स्वप्नों से परिपूर्ण होता है। हमारा जीवन्त-महाविद्यालय-वातावरण प्रफुल्लता से आप्लावित है, जो नवीन अवसर, चयन की स्वतन्त्रता, अनुसन्धान की स्पष्टता और अन्वेषण हेतु स्थल प्रदान करता है।



किरोड़ीमल महाविद्यालय इन सभी गुणों को समवेत कर, आपको आपकी समग्र क्षमता को पहचानने के लिए उपयुक्त वातावरण प्रदान करता है। हमारे शैक्षिक विभाग आपके विद्वत्तापूर्ण प्रयासों को समर्थन देने के लिए यहाँ हैं, जबकि हमारी विविध समितियाँ आपकी स्वाभाविक प्रतिभाओं को पहचानने और पोषित करने का अवसर प्रदान करती हैं।

अन्ततः अपनी गहन आकांक्षाओं की पूर्ति हेतु किरोड़ीमल महाविद्यालय में आपको आत्म-साक्षात्कार की यात्रा का अवसर मिलेगा। मुझे विश्वास है कि आपका अनुभव किरोड़ीमल महाविद्यालय में गहराई से समृद्ध होगा। जो अपने लक्ष्य-प्राप्ति में समर्पित, समर्थ और दृढ़-सङ्कल्पित हैं, किरोड़ीमल महाविद्यालय विजय-श्री के प्रमाणित कीर्तिमान के साथ एक समग्र, गतिशील और प्रेरणादायक वातावरण प्रदान करता है।

मैं आपको हमारे परिसर पर आमन्त्रित करता हूँ, जहाँ आपको पुनर्जीवन, पुनर्निर्मिति, और समुल्लास का अनुभव होगा। जीवन आत्म-साक्षात्कार की एक यात्रा है, और मार्ग आपके भीतर है। हमारे साथ युक्त हों, अपनी समग्र क्षमता को पहचानें और इस प्रक्रिया में, अपने योगदान को विश्व को श्रेष्ठतम प्रदान करें।

ईश्वर आपकी समस्त मनोकामनाएँ पूर्ण करें!

शुभाशीष।

प्रो. दिनेश खट्टर



राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC)

राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद् (NAAC) ने किरोड़ीमल महाविद्यालय को उसके द्वितीय चक्र में 3.54 के CGPA के साथ A++ ग्रेड की मान्यता दी है। महाविद्यालय इसके लिए आभारी है। राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद् (NAAC) संस्थान की 'गुणवत्ता स्थिति' की समझ प्राप्त करने के लिए महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों या अन्य मान्यता-प्राप्त संस्थानों जैसे उच्च शैक्षणिक संस्थानों (HEI) का मूल्यांकन और मान्यता प्रदान करती है। यह उपलब्धि शिक्षकों, छात्रों और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के सहयोगात्मक प्रयासों से सम्भव हुई, जिन्होंने महाविद्यालय को सर्वश्रेष्ठ देने के लिए अथक प्रयास किया।

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF)

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय, एनआईआरएफ द्वारा 2024 में महाविद्यालय श्रेणी के लिए नवीनतम भारत रैंकिंग में किरोड़ीमल महाविद्यालय को 9वें स्थान पर रखा गया है। महाविद्यालय ने पिछले वर्षों की तुलना में रैंक में तीव्रता से वृद्धि की है। नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) द्वारा केएमसी को 2021 में महाविद्यालयों की अखिल भारतीय रैंकिंग में 17वां और 2022 में 10वां स्थान प्राप्त हुआ था।

इंडिया टुडे

किरोड़ीमल महाविद्यालय ने वर्ष 2024 में भारत टुडे श्रेणी-क्रम के लिए आवेदन किया था। देशभर में, उत्कृष्ट-महाविद्यालय-खण्ड के तहत तीन वर्गों में, महाविद्यालय द्वारा प्राप्त की गई वरीयता-क्रम निम्न लिखित हैं :-

वर्ग	2024 वरीयता-क्रम	2023 वरीयता-क्रम
कला	5	6
विज्ञान	6	6
वाणिज्य	5	6



विभिन्न स्नातक-पाठ्यक्रमों में छात्रों की प्रवेश सङ्ख्या

अवधि	प्रवेश संख्या	सामान्य	अनुसूचित जाति (15%)	अनुसूचित जनजाति (7.5%)	अन्य पिछड़ा वर्ग (27%)	ईडब्ल्यूएस (10%)
बी.कॉम (ऑनर्स)	106	43	16	8	29	10
बी.कॉम (प्रोग्राम)	106	43	16	8	29	10
बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	78	31	12	6	21	8
बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी	54	22	8	4	15	5
बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल	54	22	8	4	15	5
बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी	54	22	8	4	15	5
बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास	54	22	8	4	15	5
बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान	65	26	10	5	18	6
बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत	23	9	4	2	6	2
बी.ए. (ऑनर्स) उर्दू	23	9	4	2	6	2
बीएससी (प्रोग्राम) एप्लाइड साइंस (एनालिटिकल कैमिस्ट्री)	39	16	6	3	11	3
बीएससी (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान (कंप्यूटर विज्ञान के साथ)	39	16	6	3	11	3
बीएससी (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान (रसायन विज्ञान के साथ)	144	58	22	11	39	14
बीएससी (प्रोग्राम) जन्तु विज्ञान	43	17	6	4	12	4
बीएससी (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान	49	19	7	4	14	5
बीएससी (ऑनर्स) रसायन विज्ञान	144	58	22	11	39	14
बीएससी (ऑनर्स) गणित	83	33	13	6	23	8
बीएससी (ऑनर्स) भौतिकी	144	58	22	11	39	14
बीएससी (ऑनर्स) सांख्यिकी	49	19	7	4	14	5
बीएससी (ऑनर्स) जूलॉजी	49	19	7	4	14	5
कुल	1400	562	212	108	385	133

* महाविद्यालय भारत सरकार द्वारा निर्धारित और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अपनाए गए मानदण्डों के अनुसार बेंच विकलांगताओं (PwBD) वाले व्यक्तियों को आरक्षण प्रदान करता है।

** महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय के मानदंडों के अनुसार विविध श्रेणी में कश्मीरी प्रवासी, विदेशी छात्र आदि जैसे विभिन्न श्रेणियों के छात्रों को प्रवेश प्रदान करता है।

*** महाविद्यालय हर साल ईसीए (अतिरिक्त-पाठ्यक्रम-गतिविधि) और क्रीडा-श्रेणियों में छात्रों को प्रवेश देता है: जिनकी कुल सङ्ख्या महाविद्यालय की कुल स्वीकृत क्षमता का 5% होती है।



श्रेणी-वार वितरण के साथ बीए (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश संख्या (विषय के साथ)

संयोजन (जोड़)	कुल सीटें	सामान्य	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	ईडब्ल्यूएस
राजनीति विज्ञान और इतिहास	17	8	2	1	5	1
अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान	17	7	3	1	5	1
राजनीति विज्ञान और दर्शन	10	4	2	1	2	1
इतिहास और अर्थशास्त्र	10	4	2	1	2	1
दर्शन और इतिहास	10	4	2	1	2	1
अर्थशास्त्र और दर्शन	10	4	2	1	2	1
बंगाली डिसिप्लिन और राजनीति विज्ञान	8	3	1	1	2	1
बंगाली डिसिप्लिन और इतिहास	8	3	1	1	2	1
अंग्रेजी डिसिप्लिन और राजनीति विज्ञान	8	3	1	1	2	1
हिंदी डिसिप्लिन और राजनीति विज्ञान	8	3	1	1	2	1
कुल	106	43	17	10	26	10



स्नातक—शुल्क—संरचना शैक्षणिक—सत्र 2024—2025 (यूजीसीएफ—पाठ्यक्रमों के लिए)

क्रमांक	कोर्स कोड	कोर्स	भाग	सामान्य ओबीसी / आर्थिक रूप से कमजोर	अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति	दिव्यांग	कर्मचारी	विदेशी छात्र
1	501	बी.ए. (प्रोग्राम)		15515	15330	160	3365	33515
2	503	बी.कॉम (प्रोग्राम)		16755	16570	160	3365	34755
3	504	बी.कॉम (ऑनर्स)		16755	16570	160	3365	34755
4	510	बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र		15515	15330	160	3365	33515
5	511	बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी		15515	15330	160	3365	33515
6	513	बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल		16815	16630	160	3365	34815
7	516	बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी		15515	15330	160	3365	33515
8	518	बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास		15515	15330	160	3365	33515
9	527	बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान		15515	15330	160	3365	33515
10	529	बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत		15515	15330	160	3365	33515
11	533	बी.ए. (ऑनर्स) उर्दू		15515	15330	160	3365	33515
12	556	बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान		16815	16630	160	3365	34815
13	557	बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान		16815	16630	160	3365	34815
14	563	बी.एससी. (ऑनर्स) गणित		16815	16630	160	3365	34815
15	567	बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी		16815	16630	160	3365	34815
16	568	बी.एससी. (ऑनर्स) सांख्यिकी		16815	16630	160	3365	34815
17	569	बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी विज्ञान		16815	16630	160	3365	34815
18	582	(सीबीसीएस) बी.एससी. (ऑनर्स) प्राणी विज्ञान		16815	16630	160	3365	34815
19	582B	बी.एससी. भौतिक विज्ञान (कंप्यूटर)		16815	16630	160	3365	34815
20	583	बी.एससी. जीवन विज्ञान		16815	16630	160	3365	34815
21	585	बी.एससी. एनालिटिकल केमिस्ट्री		16815	16630	160	3365	34815



स्नातकोत्तर शुल्क संरचना शैक्षणिक सत्र 2024–2025

क्रमांक	कोर्स कोड	कोर्स	भाग	सामान्य ओबीसी / आर्थिक रूप से कमजोर	अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति	दिव्यांग	कर्मचारी	विदेशी छात्र
1	807	(पी.जी) – एम.ए. अंग्रेजी		16904	16683	165	4518	34904
2	808	(पी.जी) – एम.ए. हिंदी		16904	16683	165	4518	34904
3	809	(पी.जी) – एम.ए. इतिहास		16904	16683	165	4518	34904
4	810	(पी.जी) – एम.ए. राजनीति विज्ञान		16904	16683	165	4518	34904
5	811	(पी.जी) – एम.ए. संस्कृत		16904	16683	165	4518	34904
6	814	(पी.जी) – एम.एससी. रसायन विज्ञान		16949	16728	165	4563	34949
7	815	(पी.जी) – एम.एससी. गणित		16904	16683	165	4518	34904
8	816	(पी.जी) – एम.एससी. भौतिकी		16949	16728	165	4563	34949
9	818	(पी.जी) – एम.एससी. वनस्पति विज्ञान		16949	16728	165	4563	34949
10	819	(पी.जी) – एम.एससी. प्राणी विज्ञान		16949	16728	165	4563	34949
11	821	(पी.जी) – एम.एससी. ऑपरेशनल रिसर्च		16904	16683	165	4518	34904
12	840	(पी.जी) – एम.ए. उर्दू		16904	16683	165	4518	34904



स्नातक-पाठ्यक्रम-संरचना (यूजीसीएफ)

यूजीसीएफ-2022 राष्ट्रीय-शिक्षा-नीति (एनईपीदृ2020) में परिकल्पित उच्च-शिक्षा के ऐतिहासिक दृष्टिकोण, दार्शनिक आधार और समकालीन वास्तविकताओं को रेखाङ्कित करता है और उच्च शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ने के लिए इन सिद्धान्तों को समन्वित करने का प्रयास करता है । यूजीसीएफ-2022 स्नातक-स्तर पर एक शिक्षण-अधिगम-संरचना बनाता है ताकि युवाओं को अनुसन्धान, नवाचार, प्रशिक्षुता, सामाजिक-पहुँच, उद्यमशीलता व मानव-ज्ञान और प्रयास के समान क्षेत्रों की ओर आकर्षित किया जा सके, जबकि दिल्ली विश्वविद्यालय और इसके संघटक महाविद्यालयों के जीवन्त-शैक्षणिक-वातावरण को आत्मसात किया जा सके । छात्र एनईपी : यूजीसीएफ 2022 पाठ्यक्रम को देखने के लिए विश्वविद्यालय की वेबपृष्ठ पर जा सकते हैं ।

<https://www.du.ac.in/index.php?page=nep-ugcf-2022-syllabi>

सामान्य-विश्वविद्यालय-प्रवेश-परीक्षा (सीयूईटी)

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक-कार्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक सभी उम्मीदवारों को शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए जानकारी बुलेटिन यहाँ पढ़ना होगा और सीयूईटी (यूजी) 2024 के लिए पंजीकरण करना होगा । (<https://exams.nta.ac.in/CUET-UG/images/cuet-ug-ib.pdf>)

<https://exams.nta.ac.in/CUET-UG/>

शिक्षा मन्त्रालय और यूजीसी द्वारा राष्ट्रीय-परीक्षण-एजेंसी (एनटीए) को शिक्षा मन्त्रालय के अधीन केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए सामान्य-विश्वविद्यालय-प्रवेश-परीक्षा (सीयूईटी) आयोजित करने का कार्य सौंपा गया है। यह परीक्षा 2022 से अन्य भाग लेने वाले विश्वविद्यालयों/संस्थानों/संगठनों/स्वायत्त महाविद्यालयों के लिए आयोजित की जा रही है । सामान्य-विश्वविद्यालय-प्रवेश-परीक्षा (सीयूईटी) देश भर के उम्मीदवारों, विशेष रूप से ग्रामीण और अन्य दूरदराज के क्षेत्रों के उम्मीदवारों को, एक समान मञ्च और समान अवसर प्रदान करती है । एक ही परीक्षा के माध्यम से उम्मीदवार व्यापक-पहुँच प्राप्त कर सकते हैं और विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों की प्रवेश प्रक्रियाओं का हिस्सा बन सकते हैं। उम्मीदवारों को ध्यान देना चाहिए कि एनटीए की भूमिका केवल सीयूईटी (यूजी)-2024 का संचालन करने, परिणामों की घोषणा करने और प्रवेश परीक्षा से सम्बन्धित प्रश्नों के प्रबन्धन तक सीमित है ।

दिल्ली विश्वविद्यालय अपने स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीयूईटी (यूजी)-2024 के माध्यम से पात्रता-आवश्यकता की घोषणा करता है । अधिक विस्तृत जानकारी के लिए उम्मीदवार शैक्षणिक-सत्र 2024-2025 के लिए प्रवेश वेबसाइट पर जा सकते हैं । (<https://admission.uod.ac.in/>)



सामान्य सीट आवंटन प्रणाली (सीएसएस)

दिल्ली विश्वविद्यालय अपने महाविद्यालयों के माध्यम से विभिन्न संकायों के अंतर्गत विभिन्न अध्ययन धाराओं में स्नातक (यूजी) कार्यक्रम प्रदान करता है, जिनमें कला, अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान और मानविकी, शिक्षा, अन्तःविषय और अनुप्रयुक्त विज्ञान, संगीत, वाणिज्य और व्यावसायिक अध्ययन, गणितीय विज्ञान, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान सम्मिलित हैं। शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के सभी स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश केवल ऑनलाइन सामान्य-विश्वविद्यालय-प्रवेश-परीक्षा (स्नातक)-2024 (सीयूईटी (यूजी)-2024) के आधार पर ही किया जाएगा।

सिर्फ सीयूईटी (यूजी)-2024 में उपस्थित होना दिल्ली विश्वविद्यालय में सीट सुरक्षित करने की पर्याप्त मांग नहीं होगी। दिल्ली विश्वविद्यालय स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए, उम्मीदवार को सामान्य सीट आवंटन प्रणाली यूजी सीएसएस 2024 में आवेदन करना होगा।

(https://admission.uod.ac.in/userfiles/downloads/28052024_UG-CSAS.pdf).

सीएसएस (यूजी)-2024 दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों के सभी स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए एकल खिड़की के रूप में कार्य करेगा। दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी महाविद्यालय में प्रवेश लेने के इच्छुक सभी उम्मीदवारों को केवल सीएसएस (यूजी) 2024 के माध्यम से ही आवेदन करना चाहिए। केवल दिल्ली विश्वविद्यालय के आधिकारिक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (सीएसएस (यूजी) 2024) के माध्यम से लिए गए और दिए गए प्रवेशों को ही मान्य माना जाएगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय में आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को सामान्य न्यूनतम पात्रता मानदण्ड और कार्यक्रम-विशिष्ट-पात्रता-मानदंड के लिए स्नातक सूचना बुलेटिन देखना चाहिए। यहाँ https://admission.uod.ac.in/userfiles/downloads/28022024_BOI-UG-2024-25_compressed-o.pdf अधिक विस्तृत जानकारी के लिए उम्मीदवारों को विश्वविद्यालय प्रवेश 2024 – मुख पृष्ठ (<https://admission.uod.ac.in/>) की प्रवेश सम्बन्धी वेबपृष्ठ पर जाना चाहिए।



ORD- XV—बी—छात्रों के बीच अनुशासन का रखरखाव

- 1) अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई से सम्बन्धित सभी शक्तियाँ कुलपति में निहित हैं।
- 2) कुलपति सभी या ऐसी शक्तियाँ, जो वह उचित समझे, प्रॉक्टर और ऐसे अन्य व्यक्तियों को सौंप सकता है, जिन्हें वह इस ओर से निर्दिष्ट कर सकता है।
- 3) अध्यादेश के तहत अनुशासन लागू करने की शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, निम्नलिखित को घोर अनुशासनहीनता के कृत्य माना जाएगा:
 - क) किसी भी संस्थान/विभाग के शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ के किसी भी सदस्य और दिल्ली विश्वविद्यालय के भीतर किसी भी छात्र के खिलाफ शारीरिक हमला, या शारीरिक बल का उपयोग करने की धमकी;
 - ख) किसी भी हथियार को ले जाना, उपयोग करना या उपयोग करने की धमकी देना;
 - ग) नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधानों का कोई भी उल्लङ्घन;
 - घ) अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लङ्घन;
 - ङ) कोई भी प्रथा—चाहे मौखिक हो या अन्यथा—महिलाओं का अपमान करने वाली;
 - च) किसी भी तरीके से रिश्वत देने या भ्रष्टाचार करने का कोई प्रयास;
 - छ) संस्थागत सम्पत्ति का जानबूझकर विनाश;
 - ज) धार्मिक या साम्प्रदायिक आधार पर असहिष्णुता पैदा करना या असहिष्णुता;
 - झ) विश्वविद्यालय प्रणाली के शैक्षणिक कामकाज में किसी भी प्रकार से व्यवधान उत्पन्न करना;
 - त्र) अध्यादेश XV—सी के अनुसार रैगिंग।
4. अनुशासन बनाए रखने से सम्बन्धित अपनी शक्तियों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना और अनुशासन बनाए रखने के हित में ऐसी कार्रवाई करना जो उसे उचित लगे, कुलपति अपनी उपरोक्त शक्तियों का प्रयोग कर सकता है आदेश या निर्देश दें कि कोई भी छात्र या छात्राएँ:
 - क) निष्कासित किया जाए; या
 - ख) एक निर्दिष्ट अवधि के लिए निष्कासित किया जाए; या
 - ग) किसी निर्दिष्ट अवधि के लिए विश्वविद्यालय के किसी महाविद्यालय, विभाग या संस्थान में किसी पाठ्यक्रम या पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं दिया जाएगा; या
 - घ) निर्दिष्ट रुपये की राशि का जुर्माना लगाया जाएगा; या
 - ङ) एक या अधिक वर्षों के लिए विश्वविद्यालय या महाविद्यालय या विभागीय परीक्षा या परीक्षाओं में भाग लेने से वंचित किया जाएगा; या
 - च) कि संबंधित छात्र या छात्रा जिस परीक्षा या परीक्षा में शामिल हुए हैं, उसका परिणाम रद्द कर दिया जाए।



- 5) महाविद्यालयों के प्राचार्य, हॉल के प्रमुख, सङ्काय के डीन, विश्वविद्यालय में शिक्षण विभागों के प्रमुख, प्राचार्य, पत्राचार पाठ्यक्रम और सतत शिक्षा स्कूल और लाइब्रेरियन को अपने सम्बन्धित क्षेत्र में छात्रों पर ऐसी सभी अनुशासनात्मक शक्तियों का प्रयोग करने का अधिकार होगा। विश्वविद्यालय में महाविद्यालय, संस्थान, सङ्काय और शिक्षण विभाग, सम्बन्धित विभागों में संस्थानों, हॉल और शिक्षण के उचित सञ्चालन के लिए आवश्यक हो सकते हैं। वे अपने महाविद्यालयों, संस्थानों या विभागों में ऐसे शिक्षकों के माध्यम से अपने अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं, या उन्हें अधिकार सौंप सकते हैं, जिन्हें वे इन उद्देश्यों के लिए निर्दिष्ट कर सकते हैं।
- 6) जैसा कि ऊपर कहा गया है, कुलपति और प्रॉक्टर की शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अनुशासन और उचित आचरण के विस्तृत नियम बनाए जाएंगे। इन नियमों को, जहाँ आवश्यक हो, इस विश्वविद्यालय में महाविद्यालयों के प्राचार्यों, हॉलों के प्रमुखों, सङ्कायों के डीन और शिक्षण विभागों के प्रमुखों द्वारा पूरक किया जा सकता है। प्रत्येक छात्र से अपेक्षा की जाएगी कि वह स्वयं इन नियमों की एक प्रति उपलब्ध कराए।
- 7) प्रवेश के समय, प्रत्येक छात्र को एक घोषणा पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता होगी कि प्रवेश पर वह खुद को कुलपति और विश्वविद्यालय के कई अधिकारियों के अनुशासनात्मक क्षेत्राधिकार के अधीन प्रस्तुत करता है, जिनके पास अनुशासन का अभ्यास करने का अधिकार निहित हो सकता है। विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए अधिनियमों, कानूनों, अध्यादेशों और नियमों के तहत।

ORD- XV—सी. रैगिंग का निषेध और सजा

- 1) महाविद्यालय/विभाग या संस्थान के परिसर और दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भी हिस्से के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन पर किसी भी रूप में रैगिंग सख्ती से प्रतिबन्धित है।
- 2) रैगिंग का कोई भी व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या अभ्यास घोर अनुशासनहीनता है और इससे इस अध्यादेश के तहत निपटा जाएगा।
- 3) इस अध्यादेश के प्रयोजनों के लिए रैगिंग का मतलब सामान्यतः ऐसा कोई कार्य, आचरण या अभ्यास है जिसके द्वारा वरिष्ठ छात्रों की प्रमुख शक्ति या स्थिति को नए नामाङ्कित छात्रों या ऐसे छात्रों पर लागू किया जाता है जो किसी भी तरह से अन्य छात्रों द्वारा कनिष्ठ या हीन माने जाते हैं और इसमें शामिल हैं व्यक्तिगत या सामूहिक कार्य या प्रथाएँ जो—
 - क) इसमें शारीरिक हमला या शारीरिक बल प्रयोग की धमकी शामिल है;
 - ख) महिला छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन;
 - ग) अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों की स्थिति, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करना;
 - घ) छात्रों को उपहास और अवमानना के लिए उजागर करना और उनके आत्मसम्मान को प्रभावित करना;
 - ङ) इसमें मौखिक दुर्यवहार और आक्रामकता, अभद्र इशारे और अश्लील व्यवहार शामिल हैं।



- 4) किसी महाविद्यालय के प्राचार्य, विभाग या संस्थान के प्रमुख, महाविद्यालय के प्राधिकारी, विश्वविद्यालय छात्रावास या निवास हॉल के अधिकारी रैगिंग की घटना की किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई करेंगे।
- 5) उपरोक्त खंड (4) में किसी भी बात के बावजूद, प्रॉक्टर रैगिंग की किसी भी घटना की स्वतः सज्ज्ञान लेते हुए जाँच कर सकता है और रैगिंग में शामिल लोगों की पहचान और घटना की प्रकृति के बारे में कुलपति को रिपोर्ट कर सकता है।
- 6) प्रॉक्टर रैगिंग के अपराधियों की पहचान और रैगिंग घटना की प्रकृति स्थापित करने वाली एक प्रारम्भिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकता है।
- 7) यदि किसी महाविद्यालय के प्राचार्य या विभाग या संस्थान के प्रमुख या प्रॉक्टर इस बात से सन्तुष्ट हैं कि किसी कारण से, लिखित रूप में दर्ज किए जाने पर, ऐसी जाँच करना उचित रूप से व्यावहारिक नहीं है, तो वह कुलपति को सलाह दे सकते हैं, इसलिए,
- 8) जब कुलपति संतुष्ट हो जाए कि ऐसी जाँच कराना समीचीन नहीं है, तो उसका निर्णय अन्तिम होगा।
- 9) खण्ड (5) या (6) के तहत एक रिपोर्ट की प्राप्ति पर या खण्ड (7) के तहत सम्बन्धित प्राधिकारी द्वारा खण्ड 3 (ए), (बी) और (सी) में वर्णित रैगिंग की घटनाओं का खुलासा करने वाले निर्धारण पर, कुलाधिपति किसी छात्र या छात्राओं को विशिष्ट वर्षों के लिए निष्कासित करने का निर्देश या आदेश देगा।
- 10) रैगिंग के अन्य मामलों में कुलपति आदेश या निर्देश दे सकता है कि किसी भी छात्र या छात्रा को निष्कासित कर दिया जाए या एक निश्चित अवधि के लिए न रखा जाए, किसी महाविद्यालय में अध्ययन के पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाए, एक या अधिक वर्षों के लिए विभागीय परीक्षा दी जाए या परिणाम न दिए जाएँ। सम्बन्धित छात्र या छात्राएँ जिस परीक्षा या परीक्षा में शामिल हुए थे, उसे रद्द कर दिया जाए।
- 11) यदि दिल्ली विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त करने वाला कोई भी छात्र इस अध्यादेश के तहत दोषी पाया जाता है तो विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई डिग्री वापस लेने के लिए कानून 15 के तहत उचित कार्रवाई शुरू की जाएगी।
- 12) इस अध्यादेश के प्रयोजन के लिए, रैगिंग के लिए उकसाना, चाहे वह किसी कार्य, अभ्यास या रैगिंग के लिए उकसाना हो, भी रैगिंग की श्रेणी में आएगा।
- 13) दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के भीतर सभी संस्थान इस अध्यादेश के तहत जारी किए गए निर्देशों/निर्देशों को पूरा करने और अध्यादेश के प्रभावी कार्यान्वयन को प्राप्त करने के लिए कुलपति को सहायता देने के लिए बाध्य होंगे।



संयोजक	डॉ. ईशपाल मोबाइल: 9873176955 ईमेल: rawalishpal@kmc.du.ac.in
संयोजक, सहायता केंद्र	प्रो. कृष्ण कमल हलदर मोबाइल: 9968618425 ईमेल: kkhalder@kmc.du.ac.in
संयोजक, उप-समिति, एससी/एसटी/ ओबीसी-एनएल/ईडब्ल्यूएस/ पीडब्ल्यूबीडी के लिए हेल्पडेस्क	डॉ. राम बाबू मोबाइल: 9810840561 ईमेल: rbabu@kmc.du.ac.in
संयोजक, शिकायत निवारण समिति	डॉ. प्रद्युम्न कुमार सेठी मोबाइल: 8178868148 ईमेल: psethy@kmc.du.ac.in
संयोजक, उप-समिति, एससी/एसटी/ ओबीसी-एनएल/ईडब्ल्यूएस/ पीडब्ल्यूबीडी के लिए शिकायत निवारण समिति	डॉ. अखिलेश भारती मोबाइल: 8506876628 ईमेल: khilesshu86@kmc.du.ac.in



प्रवेश हेल्पडेस्क

क्रमांक	विभाग	प्रवेश प्रभारी	ईमेल
1	अंग्रेजी	श्री देव दुलाल हलदर	debu26@gmail.com
2	हिंदी	प्रो. नामदेव डॉ. विनय कुमार डॉ. वेद प्रकाश	namdevkmc7@redoffmail.com vkgj22@gmail.com ved0550@gmail.com
3	संस्कृत	डॉ. हरेती लाल मीणा डॉ. भूपेंद्र कुमार	hareteejnu@gmail.com bhupendrakmr87@gmail.com
4	उर्दू	प्रोफेसर मोहम्मद यह्या सबा डॉ. मुजीब अहमद खान डॉ. मोहम्मद मोहसिन	urisath@yahoo.com khan.muheeb.ahmad@gmail.com mdmohsinkmc@gmail.com
5	राजनीति विज्ञान	श्री गौरव पंवार श्री प्रशांत शाही डॉ. श्याम कुमार डॉ. शोमिला वासी डॉ. स्वाति सोम	gaurav.h.panwar@gmail.com vpvsv.prashant@gmail.com safari1976s@rediffmail.com warsishomaila@gmail.com swatisingh.soam@gmail.com
6	इतिहास	डॉ. विक्रम सिंह चौधरी डॉ. दुष्यंत कुमार शाह	vikramchaudhary30@gmail.com dushyantkshah.bhu@gmail.com
7	भूगोल	डॉ. मोहम्मद बाबर अली डॉ. जीतेश राय डॉ. विनोद कुमार	drmbali@gmail.com jeeteshrai@gmail.com vinod07jnu@gmail.com
8	अर्थशास्त्र	चित्रा वर्मा डॉ. नेहा वर्मा डॉ. टी. रवि कुमार	chitsverma@gmail.com nverma.kmc@gmail.com trkumar.2525@gmail.com
9	भौतिकी	प्रोफेसर के.के. हलदर डॉ. रोसन रोसन क्षेत्रिमुयुम	krishna79.du@gmail.com rosksh@gmail.com
10	रसायन विज्ञान	डॉ. प्रियंका झाझरिया डॉ. शालिनी बक्सी डॉ. जय प्रकाश चौधरी डॉ. भगत भकुनी	priyankajhajharia@yahoo.co.in shalini.baxi@gmail.com jpsiossis@gmail.com bhakunidu@gmail.com
11	वनस्पति विज्ञान	डॉ. सुनील कुमार धीमान	sukudhiman0206@gmail.com
12	प्राणी विज्ञान	डॉ. लुकराम इंगोचौबा मीतेई	ingochouba7@gmail.com



क्रमांक	विभाग	प्रवेश प्रभारी	ईमेल
13	सांख्यिकी	डॉ. सुरेंद्र कुमार प्रोफेसर श्रवण कुमार	surendra.stats@gmail.com shrawan.kmc@gmail.com
14	गणित	श्री बी. सेमथांगा डॉ. अविनाश दीक्षित भारती यादव	bsthanga@yahoo.com discover.avi99@gmail.com bhartiyaadav4170@gmail.com
15	बी.कॉम (ऑनर्स)	श्री आकाश पुनीत	punitaakash27@gmail.com
16	बी.कॉम (प्रोग्राम)	डॉ. ज्योति कसाना	jyoti.kasana05@gmail.com
17	शारीरिक शिक्षा	डॉ. प्रमोद सी. शर्मा	pcsduk@gmail.com
18	कंप्यूटर विज्ञान	डॉ. ममता सरीन	mamtasareen@yahoo.co.in
19	बी.एससी (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान	डॉ. स्वाति बिश्नोई (रसायन विज्ञान) डॉ. शमसीर के.के. (रसायन विज्ञान) प्रोफेसर राज कुमार (गणित) श्री विशाल धवन (गणित) प्रोफेसर उषा कुलश्रेष्ठ (भौतिकी)	swati@kmc.du.ac.in shamseerkk@gmail.com rajkmc@gmail.com dhawanvishal10@yahoo.in ushakulsh@gmail.com
20	बी.एससी एनालिटिकल कमेस्ट्री	डॉ. हेमलता वशिष्ठ (रसायन विज्ञान) डॉ. कमलेश कुमार (रसायन विज्ञान)	hemlata.vashisht@gmail.com kamlesh@kmc.du.ac.in
21	बी.एससी जीवन विज्ञान	डॉ. अमित सिंह धौलानिया (प्राणी विज्ञान) डॉ. शाश्वत मल्होत्रा (रसायन विज्ञान) डॉ. दीपक कुमार (रसायन विज्ञान)	amit.dhoulaniya@gmail.com shashwatmalhotra@gmail.com dkchem914@gmail.com
22	बी.ए. (प्रोग्राम)	डॉ. सत्येंद्र श्रीवास्तव (दर्शनशास्त्र) डॉ. प्रभात कुमार (इतिहास) डॉ. श्रवण कुमार (इतिहास) डॉ. मंजू (हिंदी) डॉ. मनोज कुमार (हिंदी) श्री गौरव पंवार (राजनीति विज्ञान) प्रोफेसर रूपिंदर ओबेरॉय (राजनीति विज्ञान) श्री विभोर (राजनीति विज्ञान) श्री अनंत प्रकाश (राजनीति विज्ञान) डॉ. दीपक मैती (बंगाली)	Prbhatsamrat@gmail.com shravanhinduite@gmail.com manurani201@gmail.com manojkumaraarya@gmail.com gaurav.h.panwar@gmail.com roopinderoberoi36@rediffmail.com vibhorposwal08@gmail.com anantprakash.kmc@gmail.com dipakmaiti.du@gmail.com



छात्रवृत्तियाँ और पुरस्कार

- क) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से सम्बन्धित छात्र शिक्षा निदेशालय, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली की पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए पात्र हैं।
- ख) राष्ट्रीय ऋण छात्रवृत्ति योजना के तहत, जिन छात्रों ने अपनी पिछली सार्वजनिक परीक्षा में प्रथम श्रेणी (60% अंक या अधिक) प्राप्त की है, वे महाविद्यालय के माध्यम से ऋण(लोन) के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- ग) महाविद्यालय द्वारा शैक्षणिक पुरस्कार इस प्रकार हैं:

शैक्षणिक पुरस्कार	पुरस्कृत विद्यार्थियों की संख्या
डॉ. एन एस प्रधान पुरस्कार	5
डॉ. एन. सुब्रह्मण्यम पुरस्कार	2
एनएस खरे पुरस्कार	1
डॉ. वाईएन भट्ट पुरस्कार	1
जय देव पुरस्कार	1
गंगा सरन पुरस्कार	1
सुल्तान चंद मेमोरियल पुरस्कार	1
सुल्तान चंद द्रोपदी देवी मेमोरियल पुरस्कार	1
डॉ. ओमप्रकाश स्मृति पुरस्कार	3
प्रो. बी.बी. सरकार स्मृति पुरस्कार	3
बीडी सिंगल मेमोरियल छात्रवृत्ति	3
रसायन विज्ञान में डॉ. वीपी शर्मा मेमोरियल छात्रवृत्ति	3
गणित में डॉ. वीपी शर्मा मेमोरियल छात्रवृत्ति	3
श्री सत्यदेव नारायण स्मृति सम्मान हिंदी विषय में	1
रमा चक्रवर्ती मेमोरियल पुरस्कार	6



- क) योग्य छात्रों के लिए शुल्क रियायत के रूप में वित्तीय सहायता उपलब्ध है। इस प्रयोजन के लिए अधिसूचित तिथि से पहले निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाइन आवेदन जमा किए जाने चाहिए। किसी भी छात्र को वित्तीय सहायता देने पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि उन्होंने अधिसूचित तिथि तक आवेदन जमा नहीं कर दिया हो।
- ख) कुछ राज्य सरकार फ्रीशिप विशेष श्रेणियों से संबंधित छात्रों के लिए उपलब्ध हैं। ऐसे पुरस्कारों के संबंध में जानकारी महाविद्यालय नोटिस बोर्ड पर लगाई जाएगी। इन फ्रीशिप के लिए आवेदन अधिसूचित तिथि तक महाविद्यालय के माध्यम से किया जाना है।
- ग) सशस्त्र बलों के मृत/पूर्व-सेवा कर्मियों की विधवाओं और वार्डों के लिए तकनीकी और स्नातकोत्तर शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए 'प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना (पीएमएसएस) लागू की जा रही है। इस योजना को प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा प्रशासित राष्ट्रीय रक्षा कोष से वित्त पोषित किया जाता है। विभिन्न तकनीकी संस्थानों (चिकित्सा, दन्त.चिकित्सा, पशु चिकित्सा, इंजीनियरिंग, एमबीए, एमसीए और एआईसीटीई/यूजीसी अनुमोदन वाले अन्य समकक्ष तकनीकी संस्थानों) में शिक्षा के लिए छात्रवृत्तियां उपलब्ध हैं।
- घ) किरोड़ीमल महाविद्यालय अपने स्नातक छात्रों के लिए 'प्राचार्य केएमसी इंटरनशिप योजना' (पीकेआईएस) नामक एक विशिष्ट अल्पकालिक पेड इंटरनशिप कार्यक्रम प्रदान करता है। यह पार्ट-टाइम इंटरनशिप केवल किरोड़ीमल महाविद्यालय के नियमित स्नातक छात्रों के लिए है और इसे पहली बार फरवरी 2024 में शुरू किया गया था। छात्र पीकेआईएस के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और पञ्जीकरण फॉर्म भर सकते हैं। 'चयनित छात्र' किरोड़ीमल महाविद्यालय प्रशासन/विभागों के साथ निकटता से काम करते हैं। इंटरनशिप शैक्षणिक सत्र के दौरान एक सेमेस्टर में तीन मास की अवधि के लिए प्रदान की जाती है। इंटरन लचीले छः घंटे प्रति सप्ताह (चौबीस घंटे प्रति माह) काम करते हैं। चौबीस घंटे के कार्य को पूरा करने पर प्रत्येक इंटरन को प्रति माह रु. 2,400 का भत्ता दिया जाता है। यह इंटरनशिप योजना दिल्ली विश्वविद्यालय की 'वाइस चांसलर इंटरनशिप योजना' (वीसीआईएस) के प्रारूप पर आधारित है, इसलिए पीकेआईएस इंटरन के चयन की प्रक्रिया 70% सीजीपीए और 30% साक्षात्कार/समूह चर्चा पर आधारित है। यह इंटरनशिप कार्यक्रम मूल्यवान व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है, पेशेवर विकास को बढ़ावा देता है, और प्रतिभाशाली व्यक्तियों के एक समूह को विकसित करता है जो महाविद्यालय के गतिशील कार्य वातावरण में योगदान करने के लिए उत्सुक हैं।
- ङ) महाविद्यालय-अनुसंधान-परिषद् अनुसंधान, नवाचार और विभिन्न उद्योगों और संस्थानों के साथ सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। महाविद्यालय में चल रही अनुसंधान गतिविधियों और अनुसंधान परियोजनाओं की देखरेख के लिए 13 जून, 2023 को एक महाविद्यालय-अनुसंधान-परिषद् का गठन किया गया है। ये महाविद्यालय के छात्रों के लिए शिक्षण-प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण भाग हैं।
- विभिन्न विभागों के शिक्षकों के मार्गदर्शन में छात्रों को अन्तर्विषयक परियोजनाएँ करने के लिए प्रोत्साहित करना।
 - परियोजनाओं में भागीदारी उनके कक्षा शिक्षण को व्यापक बनाती है और विभिन्न कौशलों के विकास का समर्थन करती है।
 - वे इन परियोजनाओं के माध्यम से कक्षा में जो कुछ सीखा है उसे वास्तविक जगत् की समस्याओं पर प्रयुक्त करना सीखते हैं।
 - ये परियोजनाएँ छात्रों को अपनी रचनात्मकता और नवाचार को प्रदर्शित करने के अवसर प्रदान करेंगी
 - परियोजना-आधारित शिक्षण छात्रों को सामूहिक-कार्य, समस्या-समाधान-कौशल और दूसरों के साथ प्रभावी युक्ति से संवाद करने की क्षमता विकसित करने में मदद करता है।



विदेशी भाषाओं में सर्टिफिकेट कोर्स : फ्रेंच और जर्मन

किसी विदेशी भाषा को कुशलता से सीखना विभिन्न क्षेत्रों में अनेक आजीविका अवसर प्रदान करता है । छात्रों को बहुभाषी कौशल से सुसज्जित करने के लिए, महाविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2024-25 से विदेशी भाषाओं में सर्टिफिकेट कोर्स : फ्रेंच और जर्मन के आरम्भ की घोषणा करता है । सर्टिफिकेट कोर्स का संचालन दिल्ली विश्वविद्यालय के जर्मनिक और रोमांस अध्ययन विभाग के सहयोग से किया जाएगा । किरोड़ीमल महाविद्यालय सभी शैक्षणिक स्थितियों में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक-दैनन्दिनी का पालन करता है । परीक्षाएँ विश्वविद्यालय/विभाग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जाएंगी । पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने पर, प्रतिभागियों को अन्तर्राष्ट्रीय मानकों का प्रमाणपत्र प्राप्त होगा । प्रत्येक भाषा प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम में 50 सीटों की क्षमता है । केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली, या समकक्ष परीक्षा द्वारा आयोजित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र परीक्षा (10+2) में न्यूनतम 45% अंकों के साथ उत्तीर्ण प्रत्याशी प्रवेश के लिए पात्र हैं । इच्छुक प्रत्याशी अधिक जानकारी के लिए महाविद्यालय की वेबफलक देख सकते हैं और विदेशी भाषाओं के लिए विवरणिका पढ़ सकते हैं ।



पुस्तकालय



एन.एस. प्रधान मेमोरियल लाइब्रेरी दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे व्यापक(गहन) पुस्तकालयों में से एक है। यह महाविद्यालय की सभी शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करता है और इसमें फिक्शन और नॉन-फिक्शन ग्रन्थों का एक उत्कृष्ट सङ्ग्रह और सामान्य ज्ञान के लिए विभिन्न प्रकार की पुस्तकें भी हैं। यह पूरी तरह से कम्प्यूटरकृत है, जिसमें लगभग 1.5 लाख पुस्तकें हैं और लगभग 350 छात्र इसमें बैठ सकते हैं। पुस्तकालय विभिन्न विषयों में 52 पत्रिकाओं, 30 सामान्य पत्र / पत्रिकाओं और 16 समाचार पत्रों की सदस्यता लेता है। पोर्टल रूम में छात्रों और शिक्षकों के लिए इण्टरनेट सुविधा उपलब्ध है। परामर्श के लिए प्रथम तल पर एक बहुत अच्छे सङ्ग्रह के साथ एक सन्दर्भ अनुभाग भी स्थित है।

भूतल पर दृष्टिबाधित छात्रों को JAWS के नवीनतम संस्करण के साथ एक नया कम्प्यूटर कक्ष प्रदान किया गया है। दृष्टिबाधित छात्रों के लिए ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी खरीदी गई है। दृष्टिबाधित छात्रों के लिए ब्रेल में 81 पुस्तकों, 22 टेप रिकॉर्डर, 100 ऑडियोकैसेट और 25 आईपॉड का सङ्ग्रह है। महाविद्यालय पुस्तकालय दृष्टिबाधितों के लिए पत्रिकाओं की सदस्यता भी लेता है।

प्रयोगशाला

महाविद्यालय में सभी विज्ञान पाठ्यक्रमों – भौतिकी, रसायन विज्ञान, प्राणीशास्त्र और वनस्पति विज्ञान के लिए आधुनिक, अच्छी तरह से सुसज्जित और कुशलतापूर्वक प्रबन्धित प्रयोगशालाएँ हैं। इनके अलावा, भूगोल, कम्प्यूटर विज्ञान और साङ्ख्यिकी विभागों की भी अपनी प्रयोगशालाएँ हैं।





संगोष्ठी कक्ष

संगोष्ठी कक्ष इण्टरैक्टिव सेमिनार, चर्चा-परिचर्चा, समिति की बैठकों और रोजगारपरक मार्गदर्शन सत्रों के लिए एक स्थान के रूप में कार्य करता है। उपलब्ध ऑडियो-विजुअल सुविधाएँ इसे फिल्म स्क्रीनिंग और कार्यशालाओं के लिए आदर्श स्थान बनाती हैं।

बैंकिंग और एटीएम सुविधा

महाविद्यालय परिसर में एक बैंक और दो एटीएम हैं। पंजाब नेशनल बैंक किरोड़ीमल महाविद्यालय में एक एम्बेडेड एटीएम के साथ एक एक्सटेंशन काउंटर चलाता है। बैंकिंग सुविधाएँ कर्मचारियों और छात्रों दोनों के लिए सुलभ हैं।



जलपान-गृह

किरोड़ीमल महाविद्यालय के जलपान गृह में हमेशा से ही खाने और मौज-मस्ती के लिए शानदार माहौल रहा है। यह उचित दरों पर विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ और पेय पदार्थ उपलब्ध कराता है। यह विशाल, स्वच्छ और स्वास्थ्यपरक है। जलपान गृह के बाहर का लॉन माहौल में चार-चाँद लगा देता है।

सेंट्रल कम्प्यूटर लैब

पूरी तरह से वातानुकूलित कम्प्यूटर सुविधा छात्रों को आज की सूचना प्रौद्योगिकी की दुनिया में उभरते रुझानों से अवगत रहने में सक्षम बनाती है। इस सुविधा में छात्रों को उनके कम्प्यूटर कौशल को सँवारने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

पोर्टल कक्ष

पूरी तरह से वातानुकूलित प्रयोगशाला छात्रों को अकादमिक उद्देश्यों के लिए इण्टरनेट उपयोग को प्रोत्साहित करती है। यह कई विश्वविद्यालयों द्वारा प्रायोजित पत्रिकाओं तक निःशुल्क पहुँच प्रदान करता है। यह शिक्षकों और छात्रों के लिए प्रिंटआउट सुविधा भी प्रदान करता है।



व्यायामशाला

महाविद्यालय में कर्मचारियों और छात्रों के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित, अत्याधुनिक, पर्यवेक्षित व्यायाम सुविधा है। यह ट्रेडमिल, व्यायाम बेंच और अन्य भार प्रशिक्षण उपकरणों से सुसज्जित है।

पुरुष-छात्रावास

पुरुष-छात्रावास महाविद्यालय परिवार का अभिन्न अंग है। पुरुष-छात्रावास महाविद्यालय परिसर में 89 कमरों के साथ स्थित है, इसमें 150 से अधिक पुरुष-छात्र रह सकते हैं। पुरुष-छात्रावास महाविद्यालय के शैक्षणिक और पाठ्येतर वातावरण में उत्साह और प्रतिबद्धता का एक आयाम जोड़ता है। सम्पूर्ण छात्रावास परिसर वाई-फाई सक्षम है और इण्टरनेट सुविधाओं तक निःशुल्क पहुँच की अनुमति देता है। इसके अतिरिक्त, छात्रावास परिसर के सामान्य क्षेत्रों में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की सहायता से अपने निवासियों को 24*7 सुरक्षा प्रदान करता है। छात्रावास में रसोईघर, डाइनिंग हॉल, सामूहिक-कक्ष, वाचनालय, छात्रावास-कार्यालय और छात्रावास-वार्डन-कार्यालय जैसे विभिन्न अनुभाग हैं।



कर्मचारी कक्ष

महाविद्यालय में आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक आरामदायक, वातानुकूलित और विशाल कर्मचारी कक्ष है। यह सङ्गणक-कक्ष और इन्टरनेट की सुविधा से सुसज्जित है, और इसमें एक समर्पित चाय-कक्ष भी है।

चिकित्सकीय सुविधाएँ

छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे विश्वविद्यालय ds WUS स्वास्थ्य केन्द्र में अपना नामाङ्कन कराएँ। महाविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी सलाह और परामर्श के लिए उपलब्ध हैं।



छात्र-विनोद-कक्ष

महाविद्यालय में छात्र और छात्राओं के लिए अलग-अलग सामूहिक-कक्ष हैं। इनमें दूरदर्शन-उपकरण और आभ्यन्तर-खेल की सुविधा उपलब्ध है।



मानसिक स्वास्थ्य संसाधन

महाविद्यालय ने एक कल्याण-केन्द्र की स्थापना की है, जो छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए एक प्रशिक्षित परामर्शदाता की सेवाएँ उपलब्ध कराता है। लॉकडाउन की अवधि के दौरान, महाविद्यालय ने काउंसलर के साथ ऑनलाइन और फोन सत्रों के माध्यम से छात्रों को सुविधा और सहायता प्रदान की। कल्याण-केन्द्र की सेवाओं का लाभ उठाने वालों के नाम और विवरण के सम्बन्ध में कठोर गोपनीयता बनाई रखी जाती है।



शासी-निकाय (नियामक मण्डल)

अध्यक्ष	श्री चन्द्र वाधवा
विश्वविद्यालय कोषाध्यक्ष	श्री नवल किशोर
सदस्य	प्रो. राजेश
सदस्य	प्रो. राजीव गुप्ता
सदस्य	प्रो. राकेश कुमार
सदस्य	प्रो. जनार्दन साहु
सदस्य	प्रो. सोमेश मोहन पटनाइक
सदस्य	प्रो. कुमुद शर्मा
सदस्य	प्रो. बी.डब्ल्यू. पाण्डेय
महाविद्यालय शिक्षक प्रतिनिधि	प्रो. सीमा एम. परिहार
महाविद्यालय शिक्षक प्रतिनिधि	डॉ. अजीत कुमार
सदस्य-सचिव	प्राचार्य प्रो. दिनेश खट्टर

प्रशासन

प्राचार्य	प्रो. दिनेश खट्टर
सचिव, कर्मचारी परिषद्	श्री राम सुनील कुमार लालजी
लोक सूचना अधिकारी	श्री धीरज कुमार
छात्रावास वार्डन	प्रो. सुभाष कुमार सिंह
बरसर	प्रो. कल्पना भरारा
संयोजक आईक्यूएसी	डॉ. सत्य प्रकाश त्रिपाठी
प्रॉक्टर	डॉ. विनोद कुमार
प्रशासी अधिकारी	सुश्री मंजू जैन
प्रवेश सहायक	श्री बारू सिंह
अनुभाग अधिकारी (कार्यवाहक)	श्री राजीव

नोडल अधिकारी

एआईएसएचई	प्रो. राकेश कुमार पांडेय मोबाइल: 9811170889 ईमेल: rkpandey@kmc.du.ac.in
वीएसी / एसईसी	प्रो. वंदना सरीन वालिया मोबाइल: 8285900700 ईमेल: vandana_s_walia@yahoo.co.in
लोक शिकायतें	श्री धीरज कुमार मोबाइल: 9818875369 ईमेल: khirajdu767@gmail.com
पीडबल्यूडी	डॉ. विनोद कुमार मोबाइल: 9873345150 ईमेल: rajnigupta68@rediffmail.com
उत्तर-पूर्व राज्य के छात्र	डॉ. एम. रमानंदा सिंह मोबाइल: 9625160097 ईमेल: rsingh@kmc.du.ac.in
ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल छात्रवृत्ति	डॉ. सुनील कुमार धीमन मोबाइल: 9811120249 ईमेल: sukukhiman0206@gmail.com
परीक्षा	श्री सौम्यजीत भट्टाचार्य मोबाइल: 9818594580 ईमेल: saumyagitb@gmail.com
आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी)	प्रो. अंशु मोबाइल: 9811207760 ईमेल: anshubha@gmail.com



विभाग	शिक्षक प्रभारी	ईमेल
बंगाली	डॉ. दीपक मैती	dipakmaiti.du@gmail.com
वनस्पति विज्ञान	डॉ. सुनील कुमार धीमन	sukudhiman0206@gmail.com
रसायन विज्ञान	डॉ. प्रियंका झाझरिया	priyankajhajharia@yahoo.co.in
वाणिज्य	श्री आकाश पुनीत	punitaakash27@gmail.com
कंप्यूटर विज्ञान	गीतांजली खेर	geetanjalikher@gmail.com
अर्थशास्त्र	डॉ. नेहा वर्मा	nverma@kmc.du.ac.in
अंग्रेजी	डॉ. सत्येन्द्र कुमार	dr.satyendrakumar@yahoo.com
भूगोल	डॉ. मोहम्मद बाबर अली	drmbali@gmail.com
हिंदी	प्रो. नामदेव	namdevkmc_7@kmc.du.ac.in
इतिहास	डॉ. विक्रम सिंह चौधरी	vikramchaudhary30@gmail.com
गणित	डॉ. प्रीति गर्ग	preetigarg152@gmail.com
दर्शनशास्त्र	डॉ. सागरिका दत्ता	sagarika_phil@yahoo.com
शारीरिक शिक्षा	डॉ. प्रमोद सी. शर्मा	pcsdukmc@gmail.com
भौतिक विज्ञान	डॉ. रोसन क्षेत्रीमयुम	rosksh@gmail.com
राजनीति विज्ञान	डॉ. गौरव पंवार	gaurav.h.panwar@gmail.com
संस्कृत	डॉ. हरेती लाल मीना	hareteejnu@gmail.com
साङ्ख्यिकी	डॉ. सुरेंद्र कुमार	surendra.stats@gmail.com
उर्दू	डॉ. एम.डी. मोहसिन	mdmohsinkmc@gmail.com
प्राणी विज्ञान	डॉ. लुकराम इंगोचौबा मीतेई	ingochouba7@gmail.com



समितियाँ एवं संयोजक

प्रशासनिक समितियाँ

सचिव, कर्मचारी परिषद्	श्री राम सुनील कुमार लालजी
समिति	संयोजक
प्रवेश समिति (स्टैंडिंग कमेटी)	डॉ. ईशपाल
बीए (प्रोग्राम) प्रवेश समिति	डॉ. दीपक मैती
बी.कॉम. (प्रोग्राम) प्रवेश समिति	डॉ. ज्योति कसाना
पीडब्ल्यूडी प्रवेश समिति	प्रो. सोमेश्वर सती
समय-सारणी समिति	श्री रुद्राशीष चक्रवर्ती
विकास एवं रखरखाव समिति	डॉ. सुनील कुमार सिंह
पुस्तकालय समिति	डॉ. अमित कुमार सुमन
शुल्क रियायत समिति	प्रो. कल्पना भरारा
विदेशी छात्र समिति	डॉ. प्रद्युम्न कुमार सेठी
प्रॉक्टर एवम् अनुशासन समिति	डॉ. विनोद कुमार
प्रोविडेन्ट फण्ड समिति	डॉ. राजीब रे
उद्यान समिति	प्रो. रजनी गुप्ता
पोर्टल समिति	डॉ. विजेंद्र कुमार पांडेय
कैंटीन समिति	सुश्री सुकन्या टिकादर
छात्रावास प्रवेश समिति	प्रो. सुभाष कुमार सिंह
नई पेंशन योजना समिति	प्रो. गीतांजली
पूर्व छात्र समिति	डॉ. अभिषेक वर्मा
आईटी के लिए समन्वय समिति	प्रो. राकेश कुमार पांडे
मीडिया समिति	डॉ. लुकराम इंगोचौबा मीतेई
ऑडिओ-विजुवल सुविधाएँ और उपकरण-रखरखाव समिति	डॉ. अखिलेश भारती
स्पेस इन्फ्रास्ट्रक्चर समिति	डॉ. मोहम्मद बाबर अली
सामान्य पाठ्यक्रमों के लिए समिति	राम सुनील कुमार लालजी
विवरण-पत्रिका समिति	डॉ. सुमित कुमार शर्मा



अनिवार्य छात्र गतिविधि समितियाँ

समिति	संयोजक
खेल परिषद्	डॉ. विक्रम सिंह चौधरी
छात्र सङ्घ समिति	प्रो. अंशु
वार्षिक पत्रिका समिति	डॉ. प्रवीण कुमार अंशुमन
प्लेसमेन्ट सेल	डॉ. सत्येन्द्र कुमार
जिम समिति	श्री बी. सेमथांगा
उत्तर-पूर्व छात्र प्रकोष्ठ	डॉ. समीर लामा
एससी/एसटी सेल	डॉ. अंजलि प्रियदर्शनी
समान अवसर कक्ष	डॉ. श्याम कुमार

पाठ्येतर-गतिविधियाँ और कल्चरल सोसाइटी

समिति	शिक्षक सलाहकार
परिवर्तन-द जेंडर फोरम	डॉ. शहाना भट्टाचार्य
प्रयास – सक्षम इकाई	डॉ. विनोद कुमार
द प्लेयर – थिएटर सोसायटी	डॉ. शालिनी बक्षी
डेब्सॉक – द डिबेटिंग सोसाइटी	श्री रुद्राशीष चक्रवर्ती
म्यूजॉक – द म्यूजिक सोसाइटी	श्री सौम्यजीत भट्टाचार्य
एफएपीएस – ललित कला एवं फोटोग्राफी सोसायटी	डॉ. सागारिका दत्ता
मोंताज – द फिल्म सोसाइटी	श्री धनंजय कापसे
सेन्सेशन – द डांस सोसायटी	प्रो. रूपिंदर ओबेरॉय
स्पिक मैके इकाई	डॉ. अंजलि प्रियदर्शनी



समितियाँ एवं संयोजक

अतिरिक्त छात्र सोसायटी

समिति	संयोजक
एडवेंचर क्लब	डॉ. मुजीब अहमद खान
इको क्लब	डॉ. रेनू कठपालिया
ला-वॉइस	सुश्री सुकन्या टिकादार
इनऐक्टस सोसायटी	डॉ. वंदना चौधरी
गोलमेज (राउण्ड टेबल)	डॉ. सत्येन्द्र कुमार
कर्तव्य- सिविल सर्विस सोसायटी	डॉ. लीना देवी

केवल पदेन सदस्यों से बनी समितियाँ

समिति	संयोजक
विशेष प्रवेश और प्रवासन समिति	प्राचार्य
विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक वार्ड कोटा समिति	प्राचार्य
कार्य-भार समिति	सचिव, कर्मचारी परिषद्
संस्कृति-परिषद्	सौम्यजीत भट्टाचार्य
प्रवेश शिकायत समिति	सचिव, कर्मचारी परिषद्



बांग्ला विभाग



किरोड़ीमल महाविद्यालय में बांग्ला विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय के आधुनिक भारतीय भाषाओं और साहित्यिक अध्ययन का एक अध्याय है। पाठ्यक्रम भारत की बहुलवादी भाषाई और सांस्कृतिक स्थिति में साहित्य के अध्ययन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किए गए हैं। बंगाली विभाग ऑनर्स छात्रों के लिए क्रेडिट और गैर-क्रेडिट पाठ्यक्रम और बीए प्रोग्राम के छात्रों के लिए भाषा और अनुशासन पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	डॉ. दीपक मैती	पीएच.डी.
2	डॉ. मंजू सरकार	पीएच.डी.

वनस्पति विज्ञान विभाग

किरोड़ीमल महाविद्यालय का वनस्पति विज्ञान विभाग जुलाई 1973 में अस्तित्व में आया जब बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान और बी.एससी. (सामान्य समूह) की कक्षाएँ प्रारंभ की गईं। इससे पहले केवल प्री-मेडिकल पाठ्यक्रम के निर्देशों के लिए जन्तु विज्ञान विभाग था। किरोड़ीमल महाविद्यालय में 'मेदिनी' बॉटनिकल सोसायटी की शुरुआत साहसिकता की भावना को विकसित करने, पाठ्यपुस्तकों में जो उपलब्ध है उससे परे सीखने और जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से की गई थी। विभाग "पर्यावरण पर कुलपति रोलिंग शील्ड" के लिए एक वार्षिक अन्तर-महाविद्यालय प्रतियोगिता आयोजित करता है। रोलिंग शील्ड की स्थापना 1983 में दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर गुरबक्स सिंह द्वारा की गई थी। शील्ड की स्थापना के पीछे मुख्य उद्देश्य पर्यावरण के प्रति रुचि और जागरूकता पैदा करने के लिए पर्यावरण गतिविधियों के लिए एक मञ्च शुरू करना था। वनस्पति विज्ञान विभाग राष्ट्रीय सङ्गोष्ठी, स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस, फ्रेशर्स पार्टी, विदाई और वनस्पति भ्रमण सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है। 'सृष्टि'—वार्षिक वनस्पति उत्सव के प्रमुख तत्व के तहत, हर साल कार्यशालाएँ और सङ्गोष्ठियाँ एवं शैक्षिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।



क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	प्रो. रेनू कठपालिया	पीएच.डी.
2	डॉ. सुनील कुमार धीमन	पीएच.डी.
3	प्रो. रजनी गुप्ता	पीएच.डी.
4	डॉ. राम बाबू	पीएच.डी.
5	डॉ. विभा जी. चेकर	पीएच.डी.
6	डॉ. अर्चना सिंह	पीएच.डी.
7	डॉ. लीना शाक्य	पीएच.डी.
8	डॉ. यमल गुप्ता	पीएच.डी.
9	डॉ. आशीष अग्निहोत्री	पीएच.डी.
10	डॉ. यश मंगला	पीएच.डी.
11	डॉ. अजीमा बेगम	पीएच.डी.



रसायन विभाग



किरोड़ीमल महाविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग महाविद्यालय के सबसे बड़े विभागों में से एक है। वर्ष 1954 में स्थापित, विभाग को दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ विभागों में से एक माना जाता है। विभाग की अकादमिक सोसायटी हर साल सेमिनार, उत्सव और विभिन्न उद्योगों का दौरा आयोजित करती है। विभाग के पास स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों छात्रों के लाभ के लिए पुस्तकों का एक समृद्ध सङ्ग्रह है। यह कई अन्तरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिङ्क भी प्रदान करता है। विभाग ग्रीष्मकालीन परियोजनाओं और शैक्षिक यात्राओं के रूप में उद्योग के साथ बातचीत के लिए एक मञ्च प्रदान करता है। यह कई प्रतिष्ठित सङ्गठनों के साथ मिलकर कार्यशालाएँ भी आयोजित करता है।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	प्रो. कल्पना भरारा	पीएच.डी.
2	डॉ. सुदीप्त घोष	पीएच.डी.
3	डॉ. ममता शर्मा (ईओएल)	पीएच.डी.
4	डॉ. शालिनी निगम	पीएच.डी.
5	डॉ. एम. रामानंद सिंह	पीएच.डी.
6	डॉ. राम सुनील कुमार लालजी	पीएच.डी.
7	प्रो. रीना सक्सेना	पीएच.डी.
8	प्रो. गीतांजली	पीएच.डी.
9	डॉ. रूपेश कुमार	पीएच.डी.
10	डॉ. सुनील कुमार सिंह	पीएच.डी.
11	डॉ. किरण अरोड़ा	पीएच.डी.
12	डॉ. शालिनी बक्षी	पीएच.डी.
13	डॉ. पलाश ज्योति दास	पीएच.डी.
14	डॉ. प्रियंका झाझरिया	पीएच.डी.
15	डॉ. पनमेई गाइजॉन	पीएच.डी.
16	डॉ. सारिका तेजस्वी	पीएच.डी.
17	डॉ. अखिलेश भारती	पीएच.डी.
18	डॉ. रुचि शर्मा पांडे	पीएच.डी.
19	डॉ. शाश्वत मल्होत्रा	पीएच.डी.
20	डॉ. भगत सिंह भाकुनी	पीएच.डी.
21	डॉ. हेमलता वशिष्ठ	पीएच.डी.
22	डॉ. अरुण कांत	पीएच.डी.
23	डॉ. अभिषेक वर्मा	पीएच.डी.
24	डॉ. जय प्रकाश चौधरी	पीएच.डी.
25	डॉ. कमलेश कुमार	पीएच.डी.
26	श्री दीपक कुमार	एम.एससी
27	डॉ. शमसीर कुलंगरा कंडी	पीएच.डी.
28	डॉ. मुकेश चंद्र जोशी	पीएच.डी.
29	डॉ. स्वाति बिश्नोई	पीएच.डी.
30	डॉ. रुचि श्रीवास्तव	पीएच.डी.
31	डॉ. अजय प्रताप सिंह	पीएच.डी.

वाणिज्य विभाग



1954 में स्थापित वाणिज्य विभाग ने उत्कृष्टता हासिल करने के लिए सफलतापूर्वक प्रयास किया है और इसलिए इसे वाणिज्य के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थानों में से एक माना जाता है, जैसा कि नवीनतम एनआईआरएफ रैंकिंग से भी संकेत मिलता है। विभाग महत्वपूर्ण स्नातक पाठ्यक्रम यानी बी.कॉम(प्रोग्राम) और बी.कॉम (ऑनर्स) प्रदान करता है जिन्हें भारत और दुनिया भर के छात्रों द्वारा खूब सराहा जाता है। विभाग के पास संस्थान की सबसे प्रतिष्ठित और संपन्न सोसाइटियों में से एक, द कॉमर्स सोसाइटी

है जो मजबूत अवसर प्रदान करती है, छात्रों के बीच रचनात्मकता और बौद्धिक गतिविधि को प्रोत्साहित करती है। इस उद्देश्य के लिए यह पूरे वर्ष वार्ता, व्याख्यान, समूह चर्चा, प्रतियोगिताएँ, सेमिनारों और सम्मेलनों की व्यवस्था करता है। इसके अलावा, वित्त और निवेश सेल भी मौजूद है, जो वित्त के प्रति उत्साही लोगों के बीच ज्ञान प्राप्त करने और साझा करने की दिशा में एक छात्र-सञ्चालित पहल है। वाणिज्य विभाग, 'कॉमर्सियो' की द्विवार्षिक ई-पत्रिका कई क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्रदर्शित करने का प्रतीक रही है, चाहे वह शिक्षा, कॉर्पोरेट जगत, उद्यमिता या खेल हो। पत्रिका वाणिज्य, वित्त और अर्थव्यवस्था से जुड़े समसामयिक विषयों पर शोध पत्र प्रदर्शित करती है जो हमारे पाठकों का मूल्यवर्धन सकते हैं।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	डॉ. उमा शर्मा	पीएच.डी.
2	प्रो. सीमा जोशी	पीएच.डी.
3	प्रो. पुष्पेंद्र कुमार	पीएच.डी.
4	डॉ. बलबीर कौर	पीएच.डी.
5	डॉ. समीर लामा	पीएच.डी.
6	डॉ. लीना देवी	पीएच.डी.
7	डॉ. निधि शर्मा	पीएच.डी.
8	श्री विपिन कुमार	एम. कॉम.
9	श्री पंकज कुमार	एम.फिल.
10	सुश्री मनीषा	एम. कॉम.
11	श्री आकाश पुनीत	एम. फिल.
12	सुश्री संध्या रंगौर	एम. कॉम.
13	डॉ. ऐश्वर्या नागपाल	पीएच.डी.
14	श्री रवि शुक्ला	एमबीए
15	डॉ. कविता कम्बोज	पीएच.डी.
16	डॉ. सरिता	पीएच.डी.
17	डॉ. साक्षी सोनी	पीएच.डी.
18	डॉ. ज्योति कसाना	पीएच.डी.
19	सुश्री रीतु राठी	एम. कॉम.
20	डॉ. जे. सोपान	पीएच.डी.

सङ्गणक विज्ञान—विभाग

सङ्गणक—विज्ञान—विभाग की स्थापना 1981 में हुई थी, जिसका उद्देश्य सङ्गणक—विज्ञान के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना था । प्रौद्योगिकी के सम्प्रदायिक विकास और नवीनतम आवश्यकताओं के अनुरूप, विभाग ने हमेशा गुणवत्तापूर्ण व्यावसायिकों को उत्पन्न किया है, जो भारत में और विदेशों में सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग में महत्वपूर्ण पदों पर हैं । विभाग में स्नातक कार्यक्रम प्रदान किया जाता है जिसमें प्रोग्रामिंग और डेटा संरचना, कंप्यूटर सिस्टम वास्तुकला, ऑपरेटिंग सिस्टम्स और नेटवर्क्स, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और डेटाबेस, वेब डिजाइन और विकास, मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग जैसे पत्र सम्मिलित हैं ।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	प्रो. ममता सरिन	पीएच.डी.
2	सुश्री गीतांजली खेर	एम.एससी. (कंप्यूटर विज्ञान)
3	सुश्री शिखा जैन	एमसीए

अर्थशास्त्र विभाग



यह विभाग शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ छात्रों में समाज को श्रेष्ठ बनाने की जागरूकता को भी विकसित करने का प्रयास करता है । विभाग में एक सक्रिय अर्थशास्त्र समाज है, जिसमें सभी मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम में समाविष्ट होने वाले छात्र सदस्य होते हैं । इसका वार्षिक शैक्षिक उत्सव, 'पारेटो टाइम', अर्थशास्त्र के क्षेत्र में विश्वविद्यालय में सबसे पुराने शैक्षिक आयोजनों में से एक है । यह छात्रों को सङ्गोष्ठियों, वाद—विवादों और विश्वविद्यालय के अन्य महाविद्यालयों के छात्रों से अन्यायुक्ति के लिए एक स्थान प्रदान करता है । अर्थशास्त्र सोसायटी लोकतान्त्रिक रूप से एक चुने हुए छात्र प्रतिनिधियों की टीम के साथ कार्य करती है । समाज अपनी वार्षिक पत्रिका 'ओइकोस' भी प्रकाशित करता है, जहाँ छात्र अपने विचार व्यक्त करते हैं, अपने विचार प्रस्तुत करते हैं और अपने विचार साझा करते हैं । हर दो वर्ष में, अरुण बोस स्मारक व्याख्यान शृङ्खला के रूप में एक सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित किया जाता है । श्री बोस एक व्यक्ति विशेष थे, जिनके 1961 से 1985 के दौरान अर्थशास्त्र विभाग में शिक्षक के रूप में महाविद्यालय में उपस्थिति ने महाविद्यालय को गौरवान्वित किया । यह उचित है कि प्रोफेसर प्रभात पट्टनायक और प्रोफेसर अमिया कुमार बागची जैसे प्रमुख विद्वान अरुण बोस स्मारक व्याख्यानों में भाग लेते हैं । इन नियमित गतिविधियों के अतिरिक्त, वर्षभर में अन्य सेमिनार, वार्ता और कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं ।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	डॉ. टी. रवि कुमार	पीएच.डी.
2	श्री अजय रंजन सिंह	एम.फिल.
3	श्री सौम्यजीत भट्टाचार्य	एम.फिल.
4	डॉ. रबी शंकर प्रसाद	पीएच.डी.
5	श्री समीर कुमार सिंह	एम.फिल.
6	डॉ. विनीता	पीएच.डी.

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
7	डॉ. नीति खंडेलवाल गर्ग	पीएच.डी.
8	सुश्री चित्रा वर्मा	एम.ए.
9	डॉ. प्रतिभा मदान	पीएच.डी.
10	डॉ. नेहा वर्मा	पीएच.डी.
11	श्री सिद्धार्थ चन्द्र भुपेश	एम.ए.
12	सुश्री भवानी यादव	एम.फिल.
13	सुश्री शालिनी बसना	एम.ए.
14	श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह	एम.ए.

अंग्रेजी विभाग



किरोड़ीमल महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग का महाविद्यालय के शैक्षणिक जीवन में हमेशा एक सम्मानित स्थान रहा है। विभाग का लक्ष्य अपने छात्रों को पढ़ने, समझने, लिखने और सम्पादन के कौशल में गहन आधार प्रदान करना है और उन्हें अपनी साहित्यिक और अतिरिक्त-साहित्यिक प्रतिभाओं का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इंग्लिश लिटरेरी सोसाइटी, ग्रब स्ट्रीट, पूरे वर्ष विविध प्रकार की साहित्यिक गतिविधियों का आयोजन करती है। यह अकादमिक सेमिनार, रचनात्मक कार्यशालाएँ और फिल्म स्क्रीनिंग और नियमित पुस्तक वाचन तथा चर्चाएँ आयोजित करता है। सोसायटी वार्षिक साहित्यिक उत्सव, 'बोहेमिया' का भी आयोजन करती है, जिसमें विश्वविद्यालय भर के अंग्रेजी विभागों की भागीदारी देखी जाती है।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	डॉ. संजय शर्मा	पीएच.डी.
2	श्री डी.आर. कापसे	एम.फिल.
3	प्रो. सोमेश्वर सती	पीएच.डी.
4	श्री देब दुलाल हलदर	एम.फिल.
5	श्री रुद्राशीष चक्रवर्ती	एम.फिल.
6	सुश्री आम्रपाली बसुमतारी	एम.फिल.
7	डॉ. निवेदिता बसु	पीएच.डी.
8	डॉ. सौम्या गरिमा जयपुरियार	पीएच.डी.
9	सुश्री सलोनी शर्मा	एम.फिल.

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
10	श्री पंकज भारती	एम.फिल.
11	डॉ. प्रवीण कुमार अंशुमन	पीएच.डी.
12	डॉ. संजय वर्मा	पीएच.डी.
13	डॉ. सत्येन्द्र कुमार	पीएच.डी.
14	सुश्री सुकन्या टिकादार	एम.फिल.
15	सुश्री नीरु	एम.फिल.
16	सुश्री तन्वी शर्मा	एम.फिल.
17	सुश्री श्वेता शर्मा	एम.फिल.

भूगोल विभाग



विभाग की स्थापना 1959 में हुई थी और इसे दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ विभागों में से एक माना जाता है। विभिन्न स्थलों पर व्यापक क्षेत्र कार्य छात्रों को देश में विविधता में एकता और विशाल भौतिक—सामाजिक—सांस्कृतिक विविधताओं को समझने में मदद करता है। भू-स्थानिक कौशल विकसित करना और भूगोल के क्षेत्र में बदलती प्रौद्योगिकी के साथ तालमेल बिठाना विभाग को गतिशील चरित्र प्रदान करता है। विभाग वार्षिक भूगोल महोत्सव "जियोटाइम" आयोजित करता है और वार्षिक पत्रिका "जियोलाइन" प्रकाशित करता है। एक मजबूत पूर्व छात्र नेटवर्क मार्गदर्शन प्रदान करने और अनुभव साझा करने के लिए युवा और पुराने भूगोलवेत्ताओं के बीच बातचीत सुनिश्चित करता है।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	प्रो. सीमा एम. परिहार	पीएच.डी.
2	प्रो. अंशु	पीएच.डी.
3	डॉ. करुणा श्री	पीएच.डी.
4	डॉ. खुसरो मोईन	पीएच.डी.
5	डॉ. मोहम्मद बाबर अली	पीएच.डी.
6	कंचना नरसिम्हन	एम.फिल.
7	डॉ. जीतेश राय	पीएच.डी.
8	डॉ. विजेंद्र कुमार पांडे	पीएच.डी.
9	डॉ. विनोद कुमार	पीएच.डी.
10	डॉ. सुमन दास	पीएच.डी.

हिन्दी विभाग



हिन्दी विभाग, किरोड़ीमल महाविद्यालय, अपनी सक्रियता और छात्र गतिविधियों से लम्बे समय से चर्चित रहा है। साहित्य, कला, सिनेमा और रचनात्मक लेखन जैसे विषयों के प्रति विभाग छात्रों को नई ऊर्जा से सञ्चालित करता रहा है। विभाग में अकादमिक गतिविधियाँ इसके चार वर्षीय सत्रों में चलेंगी जिनमें छात्र-शिक्षक कक्षाओं और उनसे बाहर अनेक मंचों पर स्वस्थ संवाद करेंगे। इसके साथ ही छात्रों में साहित्य के प्रति गहरी अभिरुचि पैदा करना और भविष्य के लिए अनेक रचनात्मक अकादमिक क्षेत्रों में छात्रों को तैयार करना विभाग का दायित्व है।

पाठ्यक्रम सहयोगी क्रियाओं द्वारा छात्र के व्यक्तित्व के बहुआयामी विकास के लिये विभिन्न विभागीय गतिविधियों का आयोजन समय-समय पर किया जाता है। अकादमिक सेमिनार, रचनात्मक लेखन-कविता, लघु कथा, लोक गीत आदि प्रतियोगिताएँ, हिन्दी विभाग के छात्रों की अपनी भित्ति पत्रिका नवकल्पना है और महाविद्यालय में पाँच भाषा अनुभागों के तहत प्रकाशित होने वाली पत्रिका न्यू आउटलुक भी है। इनके अन्तर्गत छात्र सम्पादक और छात्र लेखक विविध प्रकार के कार्य सीखते हैं।

हिन्दी विभाग से उत्तीर्ण छात्र अनेक क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा से नाम रौशन कर चुके हैं। अनेक विश्वविद्यालयों और विद्यालयों में वे योग्य शिक्षक के रूप में सक्रिय हैं। प्रशासनिक सेवाओं के साथ अनुवादक, भाषा अधिकारी, फिल्मों में पटकथा लेखक और सफल गीतकार हैं। अनेक छात्र प्रिन्ट और इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में पत्रकार हैं।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	प्रो. बली सिंह	पीएच.डी.
2	प्रो. बीना जैन	पीएच.डी.
3	प्रो. प्रज्ञा	पीएच.डी.
4	प्रो. नामदेव	पीएच.डी.
5	प्रो. रसाल सिंह (अवकाश पर)	पीएच.डी.
6	प्रो. शोभा कौर	पीएच.डी.
7	डॉ. ऋतु वाष्णीय गुप्ता	पीएच.डी.
8	डॉ. मंजू रानी	पीएच.डी.
9	डॉ. अमन कुमार	पीएच.डी.
10	डॉ. वेद प्रकाश	पीएच.डी.
11	डॉ. विनय कुमार गुप्ता	पीएच.डी.
12	डॉ. आलोक कुमार	पीएच.डी.
13	डॉ. मनोज कुमार	पीएच.डी.



इतिहास विभाग

इतिहास विभाग द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम छात्रों को अतीत का एहसास दिलाने का प्रयास करते हैं; उस सामाजिक, सांस्कृतिक और संस्थागत विकास से परिचित होना जिसने आज की दुनिया और विशेष रूप से भारत को जन्म दिया है; और एक अनुशासन के रूप में इतिहास की प्रकृति की समझ।

इतिहास का अनुशासन विश्लेषण की एक पद्धति है जो उन सन्दर्भों पर ध्यान केन्द्रित करती है जिनमें लोग रहते थे और काम करते थे। पाठ्यक्रम विभिन्न दृष्टिकोणों से, उन विचारों और संस्थानों — राजनीतिक, धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक — की जांच पर जोर देते हैं, जिनके द्वारा लोगों ने अपनी दुनिया को व्यवस्थित करने का प्रयास किया है। इतिहास— विभाग संस्कृतियों, इतिहास और परम्पराओं की बहुलता की भावना पैदा करने के लिए अपने ऑनर्स और अनुशासन धाराओं में पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभाग शिक्षण की एक ऐसी विधा पर जोर देता है जो न केवल छात्रों को उस बहुसांस्कृतिक स्थिति के प्रति संवेदनशील बनाती है जिसमें हम रह रहे हैं बल्कि उन्हें अपने लिए एक सामाजिक पाठ पढ़ने के लिए भी प्रोत्साहित करती है। हिस्ट्री सोसाइटी इतिहासकारों के साथ खुले संवाद के लिए सेमिनार और वार्ता आयोजित करती है और दिसम्बर के पहले सप्ताह में अपना वार्षिक उत्सव मनाती है।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	डॉ. संजय वर्मा	पीएच.डी.
2	डॉ. वंदना चौधरी	पीएच.डी.
3	डॉ. शहाना भट्टाचार्य	पीएच.डी.
4	डॉ. मनोज शर्मा (अवकाश पर)	पीएच.डी.
5	डॉ. अजीत कुमार	पीएच.डी.
6	श्री पुनीत यादव (अध्ययन अवकाश)	एम.फिल.
7	श्री धीरज कुमार	एम.फिल.
8	डॉ. अमित कुमार सुमन	पीएच.डी.
9	डॉ. विक्रम सिंह चौधरी	पीएच.डी.
10	डॉ. दुष्यंत कुमार शाह	पीएच.डी.
11	डॉ. प्रभात कुमार	पीएच.डी.
12	डॉ. श्रवण कुमार	पीएच.डी.
13	डॉ. संजय कुमार	पीएच.डी.

गणित विभाग



किरोड़ीमल महाविद्यालय का गणित विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ विभागों में से एक है। इसमें "टेन्सर्स" नामक एक सक्रिय गणित सोसायटी है जो हर साल गणितीय उत्सव आयोजित करती है। सोसायटी हर साल 'काजी-ज़मीरुद्दीन सेमिनार' का आयोजन करती है, जहाँ प्रख्यात गणितज्ञ छात्रों को गणित के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हैं। महाविद्यालय की लाइब्रेरी में स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों छात्रों के लाभ के लिए पुस्तकों का एक समृद्ध सङ्ग्रह है। गणित विभाग का संकाय अपने छात्रों को महाविद्यालय में उनके शैक्षणिक जीवन में सर्वश्रेष्ठ हासिल करने में प्रतिबद्ध हैं।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	प्रो. प्रतिभा कुमार	पीएच.डी.
2	प्रो. दिनेश खट्टर	पीएच.डी.
3	प्रो. शिव कुमार कौशिक	पीएच.डी.
4	डॉ. प्रीति गर्ग	पीएच.डी.
5	डॉ. सत्य प्रकाश त्रिपाठी	पीएच.डी.
6	प्रो. राज कुमार	पीएच.डी.
7	श्री बी. सेमथांगा	एम.एससी.
8	डॉ. सुमित कुमार शर्मा	पीएच.डी.
9	डॉ. मीनू देवी	पीएच.डी.
10	श्री स्टैनज़िन दोर्जई	एमएससी
11	डॉ. अब्दुल गफ्फार खान(अवकाश पर)	पीएच.डी.
12	डॉ. नेहा अग्रवाल	पीएच.डी.
13	डॉ. विजय सिंह	पीएच.डी.
14	डॉ. अविनाश दीक्षित	पीएच.डी.
15	डॉ. कविता गुप्ता	पीएच.डी.
16	भारती यादव	एम.एससी.
17	डॉ. प्रेमपाल सिंह	पीएच.डी.
18	श्री विशाल धवन	एम.फिल.

दर्शनशास्त्र विभाग

विभाग विभिन्न बीए (ऑनर्स) पाठ्यक्रमों के लिए पेपरों का एक विविध सेट प्रदान करता है। ये पाठ्यक्रम प्रथम और द्वितीय वर्ष के बीए (ऑनर्स) के पाठ्यक्रम का हिस्सा हैं। इन्हें अंतःविषय समवर्ती पाठ्यक्रम और अनुशासनात्मक समवर्ती पाठ्यक्रम के रूप में पेश किया जाता है। दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम छात्रों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	डॉ. राजीब रे	पीएच.डी.
2	डॉ. सागरिका दत्ता	पीएच.डी.
3	डॉ. सत्येन्द्र कुमार श्रीवास्तव	पीएच.डी.

शारीरिक शिक्षा विभाग



किसी महाविद्यालय का लोकाचार उसके छात्रों के सर्वाङ्गीण विकास से निर्धारित होता है। पाठ्येतर, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियाँ एक छात्र के व्यक्तित्व में बहुत योगदान देती हैं। शारीरिक शिक्षा विभाग क्षेत्रीय, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने में सक्रिय भूमिका निभाता है। महाविद्यालय छात्रों को उनके पिछले तीन वर्षों की खेल उपलब्धियों और महाविद्यालय द्वारा प्रस्तावित विभिन्न पाठ्यक्रमों में खेल परीक्षाओं के आधार पर प्रवेश देता है। विभाग खेल श्रेणी में प्रवेश के तहत उम्मीदवारों के चयन के लिए कठोर और वस्तुनिष्ठ मानदण्ड अपनाता है और चयनित लोगों को उनके सम्बन्धित क्षेत्रों में विकास के लिए सर्वोत्तम सम्भव सुविधाएँ प्रदान करने का प्रयास करता है। विभाग फुटबॉल, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, बैडमिंटन, एथलेटिक्स, हॉकी, टेबल-टेनिस, क्रिकेट, शतरंज, कोर्फबॉल जैसे खेलों के लिए उत्कृष्ट प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करता है। हमारे छात्रों ने जिन भी आयोजनों में भाग लिया है, उनमें हमारी खेल उपलब्धियाँ सराहनीय रही हैं।

विभाग अब एक पूर्ण सुविधा ब्लॉक के साथ राष्ट्रमंडल खेल 2010 आयोजन समिति द्वारा विकसित मानकों का एक खेल मैदान तैयार है, जो सभी खेल छात्रों के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी और इसमें शतरंज, टेबल टेनिस जैसी इनडोर गतिविधियों के लिए एक मानक मैदान शामिल होगा।

क्र.सं.	संकाय का नाम	योग्यता
1	डॉ. प्रमोद सी. शर्मा	पीएच.डी.
2	प्रो. बेनु गुप्ता	पीएच.डी.

भौतिकी विभाग



भौतिकी विभाग महाविद्यालय के सबसे बड़े विभागों में से एक है। इसमें उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध एक समर्पित शिक्षक समूह है। विभाग 'TACHYONS' नामक एक सक्रिय सोसायटी चलाता है, जो प्रख्यात वक्ताओं द्वारा विज्ञान के बुनियादी और व्यावहारिक क्षेत्रों पर सेमिनार आयोजित करता है। वार्षिक भौतिकी महोत्सव 'न्यूटोनियन' का आयोजन करता है, जिसमें भाग लेने के लिए विभिन्न महाविद्यालयों की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को एक साथ लाया जाता है। उत्सव के दौरान आयोजित की जाने वाली कुछ गतिविधियाँ तर्क, सामान्य प्रश्नोत्तरी, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, फिल्म स्क्रीनिंग, वृत्तचित्र स्क्रीनिंग और चर्चा सत्र हैं। सोसाइटी विभागीय पत्रिका 'फिज़ियन' भी प्रकाशित करती है। महाविद्यालय और विभाग की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि यह रही है कि **नासा यूएसए** ने लगातार दो वर्षों तक हमारे महाविद्यालय की टीम को **यूएस स्पेस एण्ड रॉकेट सेण्टर, हंट्सविले अलबामा यूएसए में मूनबग्गी** को डिजाइन करने और बनाने के लिए आमन्त्रित किया है। टीम को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आर्थिक रूप से सहायता प्रदान की जाती है।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	प्रो. राकेश कुमार पांडेय	पीएच.डी.
2	प्रो. संगीता डी. गट्टे	पीएच.डी.
3	डॉ. नीना खानिजो	पीएच.डी.
4	प्रो. कृष्ण कमल हलदर	पीएच.डी.
5	डॉ. प्रद्युम्न कुमार सेठी	पीएच.डी.
6	डॉ. रोशन क्षेत्रमयुम	पीएच.डी.
7	प्रो. उषा कुलश्रेष्ठ	पीएच.डी.
8	प्रो. बिपिन सिंह कोरंगा	पीएच.डी.
9	प्रो. अगम कुमार झा	पीएच.डी.
10	डॉ. रक्षा शर्मा	पीएच.डी.
11	डॉ. चोंगथम जितेन	पीएच.डी.
12	डॉ. सिद्धार्थ लाहोन	पीएच.डी.
13	डॉ. प्रणव कुमार	पीएच.डी.
14	डॉ. मनीषा त्यागी	पीएच.डी.
15	डॉ. परीक्षित गौतम	पीएच.डी.
16	डॉ. प्राची यादव	पीएच.डी.
17	सुश्री आरती	एम.एससी.
18	डॉ. काजल जिंदल	पीएच.डी.
19	डॉ. ईशपाल	पीएच.डी.
20	डॉ. नंद किशोर	पीएच.डी.
21	सुश्री रश्मि मीना	एम.एससी.
22	डॉ. श्याम	पीएच.डी.
23	डॉ. ज्ञानेंद्र कृष्ण पांडेय	पीएच.डी.
24	डॉ. बिप्लब बर्मन	पीएच.डी.
25	डॉ. अजय कुमार	पीएच.डी.
26	श्री कीर्ति कुमार	एम.एससी.
27	डॉ. पुष्पेंद्र कुमार	पीएच.डी.
28	डॉ. सुनीता सिंह	पीएच.डी.

राजनीति विज्ञान विभाग



ठाकुरदास और नन्द लाल गुप्ता जैसे प्रतिष्ठित नाम किरोड़ीमल महाविद्यालय के राजनीति-विज्ञान-विभाग के शिक्षक रहे हैं। विभाग न केवल छात्रों को शैक्षणिक मार्गदर्शन प्रदान करता है बल्कि उन्हें बेहतर इंसान और जिम्मेदार नागरिक भी बनाता है। विभाग के पास विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक हैं। LA POLITIQUE, राजनीति विज्ञान विभाग की सोसायटी, प्रत्येक वर्ष अपने वार्षिक शैक्षणिक उत्सव POLITICANA का आयोजन करती है। दो दिवसीय महोत्सव में व्याख्यान, सेमिनार, वाद-विवाद, क्विज़ और फिल्म स्क्रीनिंग जैसे विभिन्न कार्यक्रम शामिल हैं।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	डॉ. श्याम कुमार	पीएच.डी.
2	प्रो. रूपिंदर ओबेरॉय	पीएच.डी.
3	डॉ. गौरव पंवार	एम.फिल.
4	डॉ. कृष्ण दत्त	पीएच.डी.
5	डॉ. अनंत प्रकाश	पीएच.डी.
6	डॉ. शूमाएला वारसी	पीएच.डी.
7	श्री विभोर पोसवाल	एम.ए.
8	डॉ. स्वाति सोम	पीएच.डी.
9	श्री प्रशांत शाही	एम.फिल.

संस्कृत विभाग

संस्कृत विभाग स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों पाठ्यक्रमों के शिक्षण में संलग्न है। विभाग अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के लिए अत्यन्त प्रसिद्ध है। विभागीय समिति, संस्कृत परिषद्, अपने वार्षिक अन्तर्महाविद्यालयोत्सव और सङ्गोष्ठियों का आतिथ्य करती है। प्रतियोगिताओं में वैदिक मन्त्र पाठ, श्लोक पाठ, संस्कृत प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद और संस्कृत-सम्भाषण शिविर सम्मिलित हैं।



क्र.सं.	शिक्षकों के नाम	योग्यता
1	प्रो. हरीश	पीएच.डी.
2	प्रो. सुभाष कुमार सिंह	पीएच.डी.
3	डॉ. हरेती लाल मीना	पीएच.डी.
4	डॉ. भूपेन्द्र कुमार	पीएच.डी.
5	डॉ. रूपेश कुमार चौहान	पीएच.डी.
6	डॉ. ललित पांडेय	पीएच.डी.

सांख्यिकी विभाग



किरोड़ीमल महाविद्यालय का सांख्यिकी विभाग स्नातक छात्रों के लिए अनुसन्धान और उद्योगोन्मुख दृष्टिकोण के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए जाना जाता है। विभाग सांख्यिकी और सञ्चालन अनुसन्धान में व्यावहारिक ज्ञान के साथ विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करता है। व्याख्यान और ट्यूटोरियल में छात्रों की कड़ी निगरानी के अतिरिक्त, शिक्षक उनके शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए विशेष प्रयास करते हैं। विभाग सभी महाविद्यालयों की भागीदारी के साथ हर साल अपना वार्षिक उत्सव भी आयोजित करता है।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	प्रो. वंदना एस.वालिया	पीएच.डी.
2	डॉ. गोपा कर्माकार	पीएच.डी.
3	प्रो. अलका सबरवाल	पीएच.डी.
4	प्रो. श्रवण कुमार	पीएच.डी.
5	डॉ. सुरेंद्र कुमार	पीएच.डी.
6	डॉ. रामप्रवेश सिंह गौतम	पीएच.डी.
7	डॉ. मनीष कुमार दुबे	पीएच.डी.
8	डॉ. शिखा सहगल	पीएच.डी.
9	डॉ. स्वाति कुजाल	पीएच.डी.

उर्दू विभाग

प्रमुख शिक्षाविद् और प्रख्यात शिक्षक और छात्र उर्दू विभाग से जुड़े रहे हैं। इनमें डॉ. खलीक अंजुम, प्रो. कामिल कुरेशी, डॉ. खालिद अशरफ, डॉ. यह्या सबा और डॉ. मोहसिन जैसे नाम शामिल हैं। उर्दू में स्नातक कक्षाएं 1980 में प्रोफेसर कामिल कुरेशी द्वारा आरम्भ की गईं। विभाग बीए (ऑनर्स), बीए प्रोग्राम और विभिन्न अंतर-अनुशासनात्मक पाठ्यक्रमों की शिक्षा प्रदान करता है। विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय और उसके महाविद्यालयों में उर्दू भाषा और साहित्य के प्रचार, प्रसार और विकास में लगा हुआ है। उर्दू काव्य संस्कृति को बढ़ावा देने और विचारों और अनुभवों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से, यह नियमित रूप से सेमिनार, मुशायरा और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करता है। यह जरूरतमंद उर्दू लेखकों के रचनात्मक लेखन को प्रकाशित करने में सहायता प्रदान करता है। शैक्षिक और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत, यह उर्दू छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करता है। विभाग ने इस संस्थान में विद्वतापूर्ण परम्परा स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।



क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	प्रो. मोहम्मद यह्या सबा	पीएच.डी.
2	डॉ. मो. मोहसिन	पीएच.डी.
3	डॉ. मुजीब अहमद खान	पीएच.डी.
4	डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार निम	पीएच.डी.
5	डॉ. नदीम अहमद	पीएच.डी.



प्राणी विज्ञान विभाग

प्राणी विज्ञान विभाग के शिक्षकों के पास पारिस्थितिकी, प्राणी विज्ञान, कोशिका और आणविक जीव विज्ञान, आनुवंशिकी, जैव प्रौद्योगिकी, अकशेरुकी, एण्डोक्रिनोलॉजी, पशु व्यवहार, मत्स्य जीव विज्ञान, वन्य जीव विज्ञान, विकासवादी जीव विज्ञान, जनसंख्या जीव विज्ञान और नैनो के क्षेत्रों में विशेषज्ञता है। जैव प्रौद्योगिकी से जुड़े शिक्षक कैंसर और मधुमेह के लिए एण्टोमोलॉजिकल सिस्टमैटिक्स, एथोलॉजी और कीट नियन्त्रण और नैनो-जैव प्रौद्योगिकी में विभिन्न शैक्षणिक और अनुसन्धान कार्यक्रमों में शामिल हैं। प्राणी-विज्ञान विभाग का मिशन अत्याधुनिक शिक्षण और अनुसन्धान को स्नातक शिक्षा में सर्वोत्तम की प्रतिबद्धता के साथ जोड़ना है। हम प्रोक्कैरियोट्स और यूकेरियोट्स के जीव विज्ञान को जानने और पुनः संयोजक डीएनए प्रौद्योगिकी की क्षमता का पता लगाने के लिए जेनेटिक्स, जीनोमिक्स और जैव प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने का प्रयास कर रहे हैं।

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	योग्यता
1	प्रो. अनिता कामरा वर्मा	पीएच.डी.
2	प्रो अंजलि प्रियदर्शनी	पीएच.डी.
3	डॉ. संजुक्ता दास	पीएच.डी.
4	डॉ. गौरी गर्ग धींगरा	पीएच.डी.
5	डॉ. लूकराम ईगोचौबा मितै	पीएच.डी.
6	डॉ. हरेन राम चियारी	पीएच.डी.
7	डॉ. जाह्नवी	पीएच.डी.
8	डॉ. उत्कर्ष सूद	पीएच.डी.
9	डॉ. अरुण कुमार	पीएच.डी.
10	डॉ. अमित सिंह धौलानिया	पीएच.डी.
11	डॉ. पुखरमबंम पुष्पा देवी	पीएच.डी.

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी)

किरोड़ीमल महाविद्यालय का एनसीसी विंग दिल्ली विश्वविद्यालय का सर्वोत्कृष्ट विंग है। इसके प्रारम्भिक वर्ष 1964 से एनसीसी इकाई ने अत्यन्त तीव्र गति से यात्रा की है। इसका अपना एक सक्रिय प्रशिक्षण व सांस्कृतिक कार्यक्रम है। इस महाविद्यालय में छात्र व छात्राओं कैडेट्स की एनसीसी प्रशिक्षण की पर्याप्त सुविधाएँ हैं।



इस महाविद्यालय को महानिदेशक द्वारा लगातार 2023 व 2024 इन दो वर्षों में सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय सम्मान से पुरस्कृत किया गया। यह आयोजन एनसीसी-पूर्वछात्र-क्लब द्वारा संयोजित किया गया। यह इस महाविद्यालय के लिए अत्यधिक गर्व का विषय है कि वर्ष 2023 व 2024 में एनसीसी के क्रमशः 10 व 14 कैडेट्स का भारतीय सेना व भारतीय वायुसेना में चयन किया गया।



राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

किरोड़ीमल महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना दिल्ली विश्वविद्यालय की एक इकाई है जो युवा एवं खेल मन्त्रालय, भारत सरकार, के अधीन अपने आरम्भिक वर्ष 1969 से कार्यरत है ।

एनएसएस-केएमसी इकाई अपने ध्येय-वाक्य साहस से सहयोग करें के अनुरूप ही कार्यरत है, जिसका अर्थ है कि साहसिक परिवर्तन लाने के लिए हमें अपने आस-पास के लोगों से सहयोग को प्रोत्साहित करना होगा । वर्तमान में, एनएसएस-केएमसी इकाई दो परियोजनाओं पर कार्यरत है :



साहस : समाज में महिला-सशक्तिकरण व महिला-उत्थान हेतु केन्द्रित है । साहस-परियोजना में, हम इस ग्रह की प्रत्येक नारी का सम्मान करते हैं व हमें दृढ़ विश्वास है कि इस समय सभी क्षेत्रों में सामाजिक-न्याय, शान्ति व सुरक्षा हेतु लैंगिक-समानता की सर्वाधिक आवश्यकता है ।

सहयोग : दूसरी ओर, प्रत्येक एक को शिक्षित करे कार्यक्रम के अन्तर्गत चन्द्रावल गाँव, कमला नगर, दिल्ली, को दत्तक सन्तति की भाँति अपना कर, छात्रों के पवित्रतम उन्नयन का, राष्ट्र के जीवन व भविष्य पर, मुस्कान साझा करने का एक महत्वपूर्ण प्रभाव है ।



पूर्व छात्र समिति

कॉलेज की पूर्व छात्र समिति का उद्देश्य कॉलेज के पूर्व छात्रों और वर्तमान छात्रों के बीच एक पुल का काम करना है। यह समिति पूरे वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करती है, जिसमें वार्षिक पूर्व छात्र मिलन के अलावा कई अन्य आयोजन भी शामिल होते हैं। समिति ने 6 अप्रैल, 2024 को केएमसी पूर्व छात्र मिलन'24 का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत और पिछले पाँच दशकों के अलग-अलग बैचों से 400 से अधिक पूर्व छात्रों ने भाग लिया। इस वर्ष का पूर्व छात्र मिलन विशेष रूप से महत्वपूर्ण था क्योंकि इसने पूर्व छात्रों को कॉलेज के बहुप्रतीक्षित फ्रैंक ठाकुरदास मेमोरियल ऑडिटोरियम नवीकरण परियोजना के जश्न में शामिल होने का अवसर प्रदान किया।



विदेशी छात्र संघ (फोस्टास)

केएमसी पूरे देश और विदेश से, समाज के विभिन्न वर्गों से छात्रों को आकर्षित करता है। महाविद्यालय में विभिन्न देशों से बड़ी संख्या में विदेशी छात्र आते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया, मध्य एशिया, अफ्रीका और यूरोप से आते हैं।

फॉरेन स्टूडेंट्स एसोसिएशन (FOSTAS) किरोड़ीमल महाविद्यालय की एक आधिकारिक संस्था है। इसकी स्थापना अंतर्राष्ट्रीय छात्रों और महाविद्यालय के मेजबान छात्रों के बीच मैत्रीपूर्ण सम्बन्धों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। FOSTAS किरोड़ीमल महाविद्यालय में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों के हितों का ख्याल रखता है। एसोसिएशन नए प्रवेशकों को सहायता प्रदान करता है, विदेशी छात्रों की समस्याओं का समाधान करता है और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए बेहतर सुविधाएँ सुनिश्चित करता है।

खेल परिषद



किरोड़ीमल महाविद्यालय का खेलों में शानदार इतिहास रहा है। इसने दिल्ली विश्वविद्यालय इण्टर-महाविद्यालय टूर्नामेंट में एक ही वर्ष में पाँच प्रथम स्थान (तीन प्रमुख खेलों सहित) प्राप्त कर रिकॉर्ड बनाया है तथा एक बार सर्वश्रेष्ठ ऑल राउण्ड महाविद्यालय होने के लिए प्रतिष्ठित कुलपति ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है। साल दर साल, हमने कई खेलों में विश्वविद्यालय, दिल्ली राज्य और जूनियर भारत की टीमों को उत्कृष्ट खिलाड़ी प्रदान किए हैं। महाविद्यालय हॉकी, क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, बास्केटबॉल, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी और शतरंज के लिए सुविधाएँ प्रदान करता है। हमारे छात्रों ने सभी टूर्नामेंटों में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

2018 में, बास्केटबॉल पुरुष टीम ने इण्टर महाविद्यालय चैम्पियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया; एथलेटिक्स में छात्रों ने कई पदक जीते – 4x100 मीटर रिले और डिस्कस थ्रो में स्वर्ण; शतरंज में इंटर् महाविद्यालय टूर्नामेंट में छात्रों ने दूसरा स्थान हासिल किया।

महाविद्यालय ने राष्ट्रीय और अन्ताराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर आयोजित पैरा-स्पोर्ट्स खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। महाविद्यालय द्वारा प्रत्येक वर्ष पैरा-स्पोर्टिंग कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिसमें महाविद्यालय की सक्षम इकाई 'प्रयास' सक्रिय भूमिका निभाती है। पैरा-एथलेटिक्स को बढ़ावा देने के लिए विकलांग छात्रों के लिए खेलो प्रयास का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के 15 से अधिक कॉलेजों ने भाग लिया।

छात्रसंघ

छात्र सङ्घ महाविद्यालय का प्रमुख छात्र सङ्गठन है। यह छात्रों को उनके नेतृत्व गुणों और राजनीतिक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एक मञ्च प्रदान करता है। इसका प्राथमिक उद्देश्य छात्रों के मुद्दों को उठाना और छात्रों की शिकायतों का निवारण करना है। महाविद्यालय के सभी छात्र स्वतः ही छात्रसङ्घ के सदस्य बन जाते हैं। सङ्घ के अध्यक्ष, महासचिव और अन्य पदाधिकारियों को चुनने के लिए चुनाव होता है। छात्र सङ्घ सितम्बर माह में 'फ्रेशर्स टेक-ऑफ' के साथ अपनी गतिविधियाँ शुरू करता है। यह अपने वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव, "रेनेसाँ" की भी मेजबानी करता है।



वार्षिक पत्रिका समिति (न्यू आउटलुक)



न्यू आउटलुक : नई दृष्टि : किरोड़ीमल महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका महाविद्यालय की पहचान है जो संस्थान की प्रत्येक इकाई को अपने पृष्ठों में प्रस्तुत करती है। इस प्रकार, कुछ फोलियो के भीतर संक्षिप्त और संपीड़ित पत्रिका, प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में महाविद्यालय द्वारा पोषित उत्कृष्टता के असंख्य रूपों की एक झलक प्रस्तुत करती है। "न्यू आउटलुक : नई दृष्टि" का प्रत्येक संस्करण वार्षिक दिवस पर जारी किया जाता है जब छात्र सम्पादकीय बोर्ड की ओर से उत्कृष्ट श्रेणी के लिए

पुरस्कार दिए जाते हैं: पहला, उत्कृष्ट प्रदर्शन की बहुमुखी प्रतिभा के लिए अमिताभ

बच्चन पुरस्कार, और दूसरा, जगदीश सी माथुर – सर्वश्रेष्ठ सम्पादक के रूप में स्टूडेंट ऑफ

द ईयर का पुरस्कार।

पुरस्कारों की अन्य श्रेणियाँ हैं जो AMC@KMC के विशेष कार्यक्रम में छात्रों को दी जाती हैं। वे हैं: ग्राफिक पुरस्कार— फ्रण्ट कवर के लिए लियोनार्डो दा विंची पुरस्कार, बैक—कवर के लिए विंसेंट वैन गॉग पुरस्कार, आर्ट गैलरी में सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए अमृता शेर-गिल पुरस्कार; शैक्षणिक पुरस्कार— तत्व—मीमांसा (संस्कृत अनुभाग) के लिए कालिदास पुरस्कार, कृष्टि (बांग्ला अनुभाग) के लिए रवीन्द्रनाथ टैगोर पुरस्कार, निकहत—ए—गुल (उर्दू अनुभाग) के लिए कैफी आज़मी पुरस्कार, शब्द—दर्शन के लिए डॉ. हरिवंश राय बच्चन पुरस्कार (हिन्दी अनुभाग), पेंसमिएंटो (अंग्रेजी अनुभाग) के लिए आरके नारायण पुरस्कार, वाणिज्य—वाणी (वाणिज्य अनुभाग) के लिए कौटिल्य पुरस्कार, मानविकी—प्रकोष्ठ (सामाजिक विज्ञान अनुभाग) के लिए डॉ. बीआर अम्बेडकर पुरस्कार, और प्रायोगिक विद्या के लिए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम पुरस्कार (विज्ञान—अनुभाग)।

प्लेसमेंट सेल

इस वर्ष के प्लेसमेंट सत्र में अभूतपूर्व सफलता मिली, जिसमें 122 भर्तीकर्ताओं ने हमारे छात्रों के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे कुल CTC INR 12.8 करोड़ के रिकॉर्ड को तोड़ा गया। विभिन्न अवसरों को दर्शाते हुए, सत्र का औसत प्रस्तावित CTC INR 7.3 लाख प्रति वर्ष (LPA) और असाधारण रूप से औसत स्वीकार किए गए CTC INR 10.70 LPA रहा। इस वर्ष 142 छात्रों ने सफलतापूर्वक प्लेसमेंट प्राप्त किया, जिसमें उच्चतम CTC एक प्रभावशाली INR 21.5 LPA तक पहुँच गया।



हमारे इंटर्नशिप कार्यक्रम की सफलता भी समान रूप से उल्लेखनीय है, जिसमें इस वर्ष 380 से अधिक भर्तीकर्ताओं ने लगभग 1000 इंटर्नशिप अवसर प्रदान किए। विशेष रूप से, औसत समग्र स्टाइपेंड INR 33,750 रहा, जबकि उच्चतम स्टाइपेंड एक प्रभावशाली INR 1,80,000 तक पहुँच गया।

एक संस्थान के पूर्व छात्रों का नेटवर्क उसकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो इसकी प्रतिष्ठा में महत्वपूर्ण योगदान देता है। एवेन्यूज़ – द प्लेसमेंट सेल ने इस सत्र में 215 से अधिक फर्मों के साथ संपर्क स्थापित किया, जिससे छात्रों के लिए नौकरी खोज प्रक्रिया को सरल बनाया गया। इस वर्ष का मध्य CTC INR 5.40 LPA था, जबकि औसत CTC INR 5.87 LPA रहा। उल्लेखनीय है कि उच्चतम पैकेज INR 21 LPA तक पहुँच गया, जबकि कुल वार्षिक मुआवजा INR 10.19 करोड़ तक पहुँच गया, जो किरोड़ी मल कॉलेज के स्नातकों की मजबूत मांग को दर्शाता है।



उत्तर-पूर्व प्रकोष्ठ

किरोड़ीमल महाविद्यालय के पूर्वोत्तर छात्र प्रकोष्ठ की स्थापना 14 अक्टूबर, 2015 को कर्मचारी परिषद के एक प्रस्ताव द्वारा की गई थी। पूर्वोत्तर भारत से बड़ी संख्या में छात्र स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों कार्यक्रमों में महाविद्यालय में नामाङ्कित हैं। पूर्वोत्तर छात्र प्रकोष्ठ (एनईएससी) किरोड़ीमल महाविद्यालय की सबसे जीवन्त कोशिकाओं में से एक है। पिछले शैक्षणिक वर्ष (2022-2023) के दौरान एनईएससी ने 17 अक्टूबर 2022 को पूर्वोत्तर छात्रों के सामने आने वाली आर्थिक और शैक्षणिक चुनौतियों पर एक शैक्षिक सङ्गोष्ठी का आयोजन किया था। इसके अतिरिक्त 2 फरवरी 2023 को मोंताज के सहयोग से एक फिल्म स्क्रीनिंग भी आयोजित की गई थी। तीन प्रमुख पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान एनईएससी द्वारा कार्यक्रम, यानी कुलिना- द नॉर्थईस्ट फूड फेस्ट, 8THNICA और NESSDU स्पोर्ट्स मीट का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया गया था। उपरोक्त कार्यक्रमों में दिल्ली विश्वविद्यालय के 30 से अधिक महाविद्यालयों ने भाग लिया।



सेल का इरादा भविष्य में एक सक्रिय मंच बनाने का है, जो विचार, संस्कृति, परम्परा और विविध मूल्य प्रणाली के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करेगा जो बदले में छात्रों को उनकी वास्तविक क्षमता का एहसास करने और उन्हें अच्छे नागरिक के रूप में आकार देने में मदद करेगा।

समान-अवसर प्रकोष्ठ

भारत के ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहने वाले वर्गों, इसके धार्मिक अल्पसंख्यकों, महिलाओं, विकलांग व्यक्तियों आदि के लिए एक अधिक न्यायपूर्ण समाज बनाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, महाविद्यालय ने एक समान अवसर सेल की स्थापना की है। इस स्तर पर ऐसे सेल की आवश्यकता इस समझ से आती है कि उच्च शिक्षा सामाजिक और आर्थिक समानता प्राप्त करने का एक उपकरण है। सेल का उद्देश्य भारत सरकार की नीतियों को लागू करके शिक्षा की गुणवत्ता और प्रासङ्गिकता के मानक को सुनिश्चित करते हुए पहुँच और समानता के मुद्दे को सम्बोधित करना और वंचित समूह के लिए कई योजनाओं और कार्यक्रमों को बढ़ावा देना है जो सामाजिक असमानताओं को खत्म करने में मदद करेंगे।

समान अवसर सेल का प्राथमिक कार्य वंचित समूहों के लिए नीतियों और कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन की निगरानी करना, शैक्षणिक, वित्तीय, सामाजिक और अन्य मामलों के सम्बन्ध में मार्गदर्शन और परामर्श प्रदान करना और महाविद्यालय परिसर के भीतर विविधता को बढ़ाना है। गतिविधियों की श्रृंखला में संवेदीकरण कार्यक्रम, अंग्रेजी भाषा दक्षता कार्यक्रम, उपचारात्मक कक्षाएँ और अन्य शैक्षणिक सम्बन्धित गतिविधियाँ शामिल हैं। छात्र (व्यक्तिगत रूप से या समूह में) अपनी समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए स्वतन्त्र रूप से सेल से सम्पर्क कर सकते हैं।

परिवर्तन

परिवर्तन KMC का जेंडर फोरम है, जो कॉलेज में छात्र सशक्तिकरण समितियों में से एक है। 1998 में स्थापित, यह दिल्ली विश्वविद्यालय के कोएजुकेशन कालेजों में सबसे पुराना जेंडर फोरम है। लैंगिक न्याय के अपने लक्ष्य के लिए आवश्यक लैंगिक मुद्दों के बारे में वास्तविक जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, परिवर्तन रोजमर्रा की जिंदगी में जमीनी स्तर पर लिंग पितृसत्ता के कामकाज के बारे में समझ विकसित करना चाहता है, और जाति, नस्ल, वर्ग आदि अन्य संरचनाओं के साथ जेंडर के अंतरसंबंधों की समझ बनाना चाहता है। इस दिशा में, परिवर्तन जेंडर-आधारित विविध प्रकार के मुद्दों (जिन में महिलाओं के अधिकारों, यौन उत्पीड़न से लेकर 'क्वियर' पहचान अधिकारों तक और अन्य कई मुद्दे शामिल हैं) संबंधित गतिविधियों कार्यक्रमों का आयोजन करता है। छात्रों की पसंद के जेंडर-संबन्धित मुद्दों पर परिवर्तन की औपचारिक साप्ताहिक बैठकों में, छात्र अच्छी तरह से शोधित प्रस्तुतियाँ देते हैं, जिसके बाद चर्चाएँ होती हैं (छात्रों/टीचर/विशेषज्ञों द्वारा संचालित)।



परिवर्तन की अन्य गतिविधियों में जेंडर आधारित हिंसा, बॉडी इमेज आदि पर विषयों पर बंद-समूह कार्यशालाएँ, अन्य खुली कार्यशालाएँ/वार्ता/सेमिनार, फिल्म स्क्रीनिंग, नाटकीय प्रदर्शन, ओपन-माइक सत्र, सार्वजनिक पहल, अभियान और लिंग/जेंडर से संबंधित आउटरीच प्रयास आदि शामिल हैं। इनके माध्यम से, सदस्य लैंगिक असमानताओं को समझने की कुशलता और चुनौती देने की क्षमता विकसित करते हैं।

प्रयास



प्रयास, महाविद्यालय की सक्षम इकाई का गठन 2006 में किया गया था। तब से इकाई ने नियमित रूप से समावेशी अन्तर और अन्तर महाविद्यालय सांस्कृतिक उत्सवों की मेजबानी की है और विकलांगता से सम्बन्धित मुद्दों के लिए महाविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों को संवेदनशील बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करती है। प्रयास, अपने छात्र कार्यकर्ताओं के माध्यम से, विकलांग छात्रों को आवश्यकतानुसार तकनीकी और मानवीय सहायता प्रदान करके उनकी शैक्षणिक गतिविधियों को गति प्रदान करता है।

पिछले कुछ वर्षों में, इकाई ने परिसर में समावेशी शिक्षण और अधिगम का माहौल बनाने और बढ़ावा देने का सफलतापूर्वक प्रयास किया है।



किरोड़ीमल महाविद्यालय में नाटक, वाद—विवाद, संगीत, ललित कला, फोटोग्राफी, नृत्य और फिल्म में निरन्तर सांस्कृतिक गतिविधि का एक विशिष्ट इतिहास है। हमारे महाविद्यालय की सांस्कृतिक—समिति, 'द प्लेयर्स', 'डेब्सॉक', 'म्यूजॉक', 'फैंस', 'सेंसेशन' और द फिल्म सोसाइटी(मोंताज) के माध्यम से ये गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

द प्लेयर्स

'द प्लेयर्स' दिल्ली का एक अग्रणी कैम्पस थिएटर ग्रुप है, जिसके 68 साल के इतिहास में रोमाञ्चक और विविध गतिविधियों के प्रभावशाली रिकॉर्ड हैं। इसके सदस्यों को विभिन्न थिएटर कलाओं में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त होता है। द प्लेयर्स के पूर्व छात्रों ने थिएटर, सिनेमा, टेलीविजन और सम्बन्धित क्षेत्रों में अपनी छाप छोड़ी है। द प्लेयर्स हर साल अपने इण्टर—महाविद्यालय थिएटर फेस्टिवल की मेजबानी करता है। यह महोत्सव गैर—प्रतिस्पर्धी प्रारूप में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालय स्ट्रीट और स्टेज नाटकों का प्रदर्शन और विश्लेषण करता है। इस आयोजन में प्रमुख विशेषज्ञों, फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों के नेतृत्व में जीवन्त प्रदर्शन और उत्साह देखा जाता है।



डेब्सॉक

डिबेटिंग सोसाइटी, किरोड़ीमल कॉलेज की स्थापना 1958 में प्रसिद्ध फ्रैंक ठाकुरदास के मार्गदर्शन में की गई थी और इसने 66 गौरवशाली वर्षों तक लगातार काम किया है। यह विश्वविद्यालय की सबसे पुरानी वाद—विवाद समितियों में से एक रही है और पिछले कुछ वर्षों में इसने राष्ट्रीय वाद—विवाद सर्किट में प्रतिष्ठा और प्रसिद्धि अर्जित की है। समाज द्विभाषी है और इसमें अंग्रेजी और हिंदी दोनों वाद—विवाद शाखाएँ हैं, जो एक प्रशासनिक संरचना के तहत एकीकृत हैं। DEBSOC दो प्रतिष्ठित वार्षिक संसदीय वाद—विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है — फ्रैंक ठाकुरदास

मेमोरियल डिबेट (अंग्रेजी) और नरेंद्र सिंह प्रधान डिबेट (हिंदी)। DEBSOC की सबसे

उल्लेखनीय दीर्घकालिक उपलब्धियों में से एक यह है कि यह हिंदी बहस सर्किट में संसदीय बहस शुरू करने वाला एकमात्र अग्रणी है।

म्यूजॉक

शास्त्रीय और सुगम सङ्गीत दोनों में MUSOC की विश्वविद्यालय में प्रमुख उपस्थिति है। अपने सदस्यों के व्यक्तिगत और कोरस प्रदर्शन दोनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ, इसने प्रशंसा हासिल की है और जहाँ भी इसके सदस्यों ने प्रदर्शन किया है, वहाँ एक विशिष्ट छाप छोड़ी है। MUSOC एक ऐसा समूह है जो भारतीय, पश्चिमी और फ्यूजन आयामों को कवर करता है, अधिकांशतः अन्य संगीत समूहों के विपरीत जिनके पास अलग—अलग भारतीय और पश्चिमी समूह हैं। MUSOC के प्रदर्शन को दिल्ली विश्वविद्यालय सर्किट के अन्दर और बाहर दोनों जगह बहुत सराहा जाता है।





ललित कला एवं फोटोग्राफी सोसायटी 'फैप्स'

फैप्स ने कैम्पस सर्किट में ललित कला और फोटोग्राफी में रचनात्मक कार्य का एक प्रभावशाली रिकॉर्ड बनाया है। यह हर साल अपने वार्षिक उत्सव और प्रदर्शनी—'परसेप्शन' का आयोजन करता है। इन आयोजनों को पूरी दिल्ली और बाहर के प्रतिष्ठित महाविद्यालयों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है।

द फिल्म सोसायटी 'मोंताज'

फिल्म सोसाइटी छात्रों को सिनेमाई कार्यों की समृद्ध विविधता और सिनेमा पर आलोचनात्मक दृष्टिकोण से परिचित कराती है। फिल्म सोसाइटी पूरे वर्ष बहुत सक्रिय रहती है। यह भारतीय और विदेशी फिल्मों, पुरानी क्लासिक्स और समकालीन फिल्मों से लेकर वृत्तचित्र और फीचर फिल्मों की प्रदर्शनी करती है। दर्शकों ने हमेशा फिल्मों का आनन्द लिया है और अधिकांश स्क्रीनिंग के बाद जीवन्त चर्चा होती है। मोंटाज में एक फिल्म निर्माण विंग भी है, जहां छात्र लघु फिल्में बनाना सीखते हैं।



'सेंसेशन' द डांस सोसायटी

सेंसेशन जहाँ भी प्रदर्शन करता है वहाँ अपनी प्रतिभा और क्षमता से दर्शकों को प्रभावित करता है। सोसायटी में ऐसे समूह शामिल हैं जो पश्चिमी के साथ-साथ भारतीय-फ्यूजन नृत्य मुहावरों का उपयोग करते हैं जिनमें हिप-हॉप, बी-बॉयिंग, कण्टेम्परी और इण्डो जैज़ जैसे विभिन्न प्रकार के नृत्य शामिल हैं।

स्पिक मैके

स्पिक मैके सोसायटी युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कार्य करती है, न केवल गैर-लाभकारी संगठन साथ ही भारतीय शास्त्रीय संगीत, शास्त्रीय नृत्य और संस्कृति के विविध पहलुओं पर भी केन्द्रित रहती है। यह दुनिया भर के 300 से अधिक कस्बों और शहरों में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वाला आन्दोलन है। स्पिक मैके की स्थापना डॉ. किरण सेठ ने 1977 में आईआईटी दिल्ली में की थी। यह पारम्परिक भारतीय मूल्यों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और भारत की सांस्कृतिक परम्पराओं और विरासत के बारे में जागरूकता पैदा करने का प्रयास करता है। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, स्पिकमैके संगीत कार्यक्रम, व्याख्यान, चर्चा, और सेमिनार आयोजित करता है। इन्हें संगठन के स्थानीय निकायों द्वारा आयोजित किया जाता है।



एडवेंचर क्लब

किरोड़ीमल महाविद्यालय का एडवेंचर क्लब ट्रेक और एडवेंचर में रुचि रखने वाले उत्साही लोगों को एक साथ लाता है। क्लब की गतिविधियों में रिवर राफ्टिंग, नेचर कैम्प, ट्रेकिंग, रॉक क्लाइंबिंग, कायाकिंग, पैरासेलिंग, पैराग्लाइडिंग, विंडसर्फिंग, स्पीड बोटिंग, बाइकिंग और बंजी-जंपिंग शामिल हैं। क्लब गढ़वाल/कुमाऊं और हिमालय क्षेत्रों में भी अभियान चलाता है। यात्राएँ किफायती कीमतों पर और छात्रों की ज़रूरतों के अनुसार आयोजित की जाती हैं।

इको क्लब

इको क्लब भावी पीढ़ियों के बीच पर्यावरण जागरूकता पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दिल्ली के एनसीटी के सरकारी सहायता प्राप्त, निजी, सार्वजनिक स्कूलों और महाविद्यालयों में 2000 इको-क्लब स्थापित किए गए हैं। पर्यावरण-विभाग विभिन्न पर्यावरण-अनुकूल गतिविधियों को शुरू करने के लिए प्रत्येक इको क्लब स्कूल/महाविद्यालय को एक प्रतीकात्मक अनुदान प्रदान करता है।

किरोड़ीमल महाविद्यालय में इको क्लब की स्थापना वर्ष 2014 में हुई थी।

पर्यावरण जागरूकता पैदा करना हमेशा किसी भी शैक्षणिक संस्थान का प्रमुख केन्द्र बिन्दु रहा है। क्लब का दृष्टिकोण छात्रों और महाविद्यालय के कर्मचारियों दोनों को वृक्षारोपण करके अपने आस-पास के वातावरण को हरा-भरा और स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करना है, पानी के उपयोग को कम करके पानी के संरक्षण के लोकाचार को बढ़ावा देना है, और सभी को न्यूनतम अपशिष्ट उत्पादन, कचरे के स्रोत पृथक्करण और निकटतम भण्डारण बिन्दु तक कचरे के निपटान के लिए आदतों और जीवन शैली को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करना है।



कर्तव्य – किरोड़ीमल महाविद्यालय का सिविल सेवा सोसाइटी

किरोड़ीमल महाविद्यालय की कर्तव्य – सिविल सेवा सोसाइटी की स्थापना 2017 में की गई थी, जिसका उद्देश्य UPSC के उम्मीदवारों को एक सहयोगी शिक्षा प्लेटफॉर्म प्रदान करना है। अब तक एक सम्पर्क के सेवानिवृत्त शीर्ष ब्यूरोक्रेट, सैन्य अधिकारी, वैज्ञानिक और प्रसिद्ध शैक्षिकजनों ने हमें अपनी उपस्थिति से सम्मानित किया है, और उनके दृष्टिकोण वैश्विक एवं राष्ट्रीय महत्वपूर्ण विषयों पर मूल्यवान अनुभव से परिपूर्ण व रोचक हैं।



अभिवृत्ति और सामाजिक-उद्यम-केन्द्र (सीआईएसई)

यह किरोड़ीमल महाविद्यालय मार्च 2020 में स्थापित किया गया था, जो UGC-UKIERI परियोजना का एक परिणाम है, जिसका प्रोफेसर रूपिंदर ओबेरॉई और प्रोफेसर अनीता कामरा वर्मा ने नेतृत्व किया था। केन्द्र का उद्देश्य सामाजिक उद्यमों को परिपालन और भविष्य के उद्यमियों को पोषित करना है। इसका लक्ष्य सामाजिक परिवर्तन के माध्यम से रचनात्मक विचारों, महत्वपूर्ण सामाजिक अनुसंधान और नवाचार के साथ जुड़ना है।

180 डिग्री कंसल्टिंग

यह किरोड़ीमल महाविद्यालय में जनवरी 2021 में प्रोफेसर रूपिंदर ओबेरॉई द्वारा स्थापित किया गया था। 180 डिग्री कंसल्टिंग की परियोजनाओं ने विभिन्न गैर-लाभकारी संगठनों और सामाजिक उद्यमों के साथ सामाजिक व्यापार, शिक्षा, सामाजिक स्टार्टअप, महिला स्वच्छता और मानसिक स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषयों के सन्दर्भ में व्यापक जागरूकता में सहायता की है। 180 डिग्री कंसल्टिंग इसमें विभिन्न सामाजिक उद्यमों को सम्मिलित करके और उन्हें महत्वपूर्ण परिणाम प्रदान करके अपना कार्य मूल्यवान बनाता है।



एन्यूर – द एंट्रप्रेन्यूरशिप सेल

यह किरोड़ीमल महाविद्यालय का उद्यमिता कक्ष है जो छात्रों में एक उद्यमी मनोवृत्ति लाने और उनमें नवाचारात्मकता को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखती है। हम रचनात्मकता, नेतृत्व, और प्रागतिकता के मिश्रण के माध्यम से 'विचारों' को पोषित करने और उन्हें प्रभावशाली प्रयासों में बढ़ाने के लिए यहाँ हैं। हम विभिन्न सेमिनारों, वास्तविक जीवन व्यापार परियोजनाओं, व्याख्यान सत्रों, और चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों की प्रेरणा करने के लिए यहाँ हैं।

शैक्षिक पुरस्कार 2023–2024

क्रमांक	नाम	परीक्षा रोल नंबर	सीजीपीए	कोर्स
1	ध्रुव गर्ग	20036510022	9.257	बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र तृतीय वर्ष
2	चेस्टा गुप्ता	20036511010	7.959	बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी तृतीय वर्ष
3	एन वी भारथवाज	20036513057	9.095	बी.ए. (ऑनर्स) भूगोल तृतीय वर्ष
4	शाहवाज हुसैन	20036516044	8.203	बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी तृतीय वर्ष
5	वंशिका पोद्दार	20036518059	7.973	बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास तृतीय वर्ष
6	सान्या अहुजा	20036527084	8.243	बी.ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान तृतीय वर्ष
7	सर्वजीत कुमार शुक्ला	20036529030	9.027	बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत तृतीय वर्ष
8	सुरैया फातिमा	20036533021	8.554	बी.ए. (ऑनर्स) उर्दू तृतीय वर्ष
9	सृष्टि मिश्रा	20036556044	9.054	बी.एससी. (ऑनर्स) वनस्पति विज्ञान तृतीय वर्ष
10	राधिका शर्मा	20036557104	9.473	बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान तृतीय वर्ष
11	दीपक यादव	20036563031	9.554	बी.एससी. (ऑनर्स) गणित तृतीय वर्ष
12	पार्थ जोशी	20036567086	9.824	बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिक विज्ञान तृतीय वर्ष
13	ध्रुव अग्रवाल	20036568015	9.716	बी.एससी. (ऑनर्स) सांख्यिकी तृतीय वर्ष
14	हिमांशी जैन	20036569019	9.27	बी.एससी. (ऑनर्स) जीव विज्ञान तृतीय वर्ष
15	अंबिका मल्ल	20036504015	9.054	बी.कॉम. (ऑनर्स) तृतीय वर्ष
16	मोहिनी शर्मा	20036501650	8.455	बी.ए. (सामान्य) तृतीय वर्ष
17	प्रियांशी मित्तल	20036503132	8.818	बी.कॉम. (सामान्य) तृतीय वर्ष
18	सरगम	20036585027	8.985	बी.एससी. (सामान्य) एनालिटिकल कमेस्ट्री तृतीय वर्ष
19	शाश्वती पटेल	20036583034	9.303	बी.एससी. (सामान्य) जीव विज्ञान तृतीय वर्ष
20	लकी	20036582070	9.515	बी.एससी. (सामान्य) भौतिक विज्ञान (रसायन सहित) तृतीय वर्ष
21	अविनाश गर्ग	20036582034	9.045	बी.एससी. (सामान्य) भौतिक विज्ञान (कंप्यूटर विज्ञान सहित) तृतीय वर्ष
22	आदित्य किरण	21036745001	8.7	एम.एससी. वनस्पति विज्ञान अंतिम वर्ष
23	सुकल्यान चटर्जी	21036746051	8	एम.एससी. रसायन विज्ञान अंतिम वर्ष
24	दीप्ति कुमारी	21036758009	8.702	एम.एससी. गणित अंतिम वर्ष
25	मयंक मल्होत्रा	21036761014	8.05	एम.एससी. संचालनात्मक अनुसंधान अंतिम वर्ष
26	केएम गरिमा यादव	21036762022	7.8	एम.एससी. भौतिक विज्ञान अंतिम वर्ष
27	वंशी बाली	21036766011	8.191	एम.एससी. जीव विज्ञान अंतिम वर्ष
28	उत्कृष्ट शर्मा	21036708024	7.136	एम.ए. अंग्रेजी अंतिम वर्ष
29	अनुराग तिवारी	21205713002	7.367	एम.ए. हिंदी अंतिम वर्ष
30	ओजश्वी	21036716016	7.063	एम.ए. इतिहास अंतिम वर्ष
31	कृष्टि दास	21036724020	6.863	एम.ए. राजनीति विज्ञान अंतिम वर्ष
32	आशु कुमार ठाकुर	21036728002	8.815	एम.ए. संस्कृत अंतिम वर्ष
33	आरिफा जान	21036732001	8.224	एम.ए. उर्दू अंतिम वर्ष



शैक्षिक पुरस्कार

डॉ. एन एस प्रधान पुरस्कार

क्रमांक	नाम	परीक्षा रोल नंबर	सीजीपीए	कोर्स
1	चेष्टा गुप्ता	20036511010	7.959	बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी तृतीय वर्ष
2	शाहवाज हुसैन	20036516044	8.203	बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी तृतीय वर्ष
3	सुरैया फातिमा	20036533021	8.554	बी.ए. (ऑनर्स) उर्दू तृतीय वर्ष
4	उत्कृष्ट शर्मा	21036708024	7.136	एम.ए. अंग्रेज़ी अंतिम वर्ष
5	सर्वजीत कुमार शुक्ला	20036529030	9.027	बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत तृतीय वर्ष

डॉ. एन सुब्रह्मण्यम पुरस्कार

क्रमांक	नाम	परीक्षा रोल नंबर	सीजीपीए	कोर्स
1	पार्थ जोशी	20036567086	9.824	बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिक विज्ञान तृतीय वर्ष
2	गरिमा यादव	21036762022	7.8	एम.एससी. भौतिक विज्ञान अंतिम वर्ष

श्री एन एस खरे पुरस्कार

क्रमांक	नाम	परीक्षा रोल नंबर	सीजीपीए	कोर्स
1	पार्थ जोशी	20036567086	9.824	बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिक विज्ञान तृतीय वर्ष

डॉ. वाई एन भट्ट पुरस्कार

क्रमांक	नाम	परीक्षा रोल नंबर	सीजीपीए	कोर्स
1	शिविका गुप्ता	22036511037	8.23	बी.ए.(ऑनर्स) अंग्रेज़ी प्रथम वर्ष

श्री जयदेव पुरस्कार

क्रमांक	नाम	परीक्षा रोल नंबर	सीजीपीए	कोर्स
1	हिमांशी जैन	20036569019	9.27	बी.एससी. (ऑनर्स) जूलॉजी तृतीय वर्ष

श्री गंगा सरण पुरस्कार

क्रमांक	नाम	परीक्षा रोल नंबर	सीजीपीए	कोर्स
1	श्रेयांश अंकित	21036511062	8.09	बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेज़ी द्वितीय वर्ष



शैक्षिक पुरस्कार

सुल्तान चंद स्मारक पुरस्कार

क्रमांक	नाम	परीक्षा रोल नंबर	सीजीपीए	कोर्स
1	सानिया मल्होत्रा	21036504129	9.305	बी. कॉम. (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष

सुल्तान चंद द्रोपदी देवी स्मारक पुरस्कार

क्रमांक	नाम	परीक्षा रोल नंबर	सीजीपीए	कोर्स
1	तनिषा अरोड़ा	22036504078	9.23	बी.कॉम. (ऑनर्स) प्रथम वर्ष

श्री ओम प्रकाश स्मारक पुरस्कार

क्रमांक	नाम	परीक्षा रोल नंबर	सीजीपीए	कोर्स
1	वंशिका पोद्दार	20036518059	7.973	बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास तृतीय वर्ष
2	श्रेया मलिक	21036518052	7.93	बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास द्वितीय वर्ष
3	तमन्ना	22036518026	8.45	बी.ए. (ऑनर्स) इतिहास प्रथम वर्ष

प्रोफ़ेसर बी बी सरकार स्मारक पुरस्कार

क्रमांक	नाम	परीक्षा रोल नंबर	सीजीपीए	कोर्स
1	सान्या आहुजा	20036527084	8.243	बी.ए. (ऑनर्स) राजनीतिक विज्ञान तृतीय वर्ष.
2	अमन गंगवार	21036527009	8.36	बी.ए. (ऑनर्स) राजनीतिक विज्ञान द्वितीय वर्ष
3	आरती नागर	22036527088	8.82	बी.ए. (ऑनर्स) राजनीतिक विज्ञान प्रथम वर्ष

डॉ. बी.डी. सिंगले मेमोरियल पुरस्कार

क्रमांक	नाम	परीक्षा रोल नंबर	सीजीपीए	कोर्स
1	चेष्टा गुप्ता	20036511010	7.959	बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी तृतीय वर्ष
2	श्रेयांश अंकित	21036511062	8.09	बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी द्वितीय वर्ष
3	शिविका गुप्ता	22036511037	8.23	बी.ए.(ऑनर्स) अंग्रेजी प्रथम वर्ष



रसायन विज्ञान में डॉ. वी.पी. शर्मा मेमोरियल छात्रवृत्ति

क्रमांक	नाम	परीक्षा रोल नंबर	सीजीपीए	कोर्स
1	राधिका शर्मा	20036557104	9.473	बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान तृतीय वर्ष
2	विजय कुमार	21036557116	9.36	बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान द्वितीय वर्ष
3	मोनिका लोरा	22036557051	9.05	बी.एससी. (ऑनर्स) रसायन विज्ञान प्रथम वर्ष

गणित विज्ञान में डॉ. वी.पी. शर्मा मेमोरियल छात्रवृत्ति

क्रमांक	नाम	परीक्षा रोल नंबर	सीजीपीए	कोर्स
1	दीपक यादव	20036563031	9.554	बी.एससी. (ऑनर्स) गणित तृतीय वर्ष
2	गुरलीन चोपड़ा	21036563038	9.84	बी.एससी. (ऑनर्स) गणित द्वितीय वर्ष
3	साहिल कुमार बुबना	22036563047	9.41	बी.एससी. (ऑनर्स) गणित प्रथम वर्ष

श्री सत्यदेव नारायण स्मृति सम्मान

क्रमांक	नाम	परीक्षा रोल नंबर	सीजीपीए	कोर्स
1	शाहवाज़ हुसैन	20036516044	8.203	बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी वर्ष

रामा चक्रवर्ती स्मारक पुरस्कार

क्रमांक	नाम	परीक्षा रोल नंबर	सीजीपीए	कोर्स
1	रिमली देय	20036501547	7.955	बी. ए. (सामान्य) तृतीय वर्ष (बांग्ला + इतिहास)
2	सुपर्णा बिश्वास	20036501598	7.545	बी. ए. (सामान्य) तृतीय वर्ष (बांग्ला + राजनीति विज्ञान)
3	राजीब जाना	21036501090	7.73	बी. ए. (सामान्य) द्वितीय वर्ष (बांग्ला + राजनीति विज्ञान)
4	ईशिता रॉय	21036501045	7.50	बी. ए. (सामान्य) द्वितीय वर्ष (बांग्ला + इतिहास)
5	मयंक नायक	22036501057	7.82	बी. ए. (सामान्य) प्रथम वर्ष (बांग्ला + राजनीति विज्ञान)
6	शशि कांत	22036501069	7.14	बी. ए. (सामान्य) प्रथम वर्ष (बांग्ला + राजनीति विज्ञान)



हमारा वैभव

केएमसी नई पीढ़ी के चमकते सितारों को शिक्षित करने और उनका पोषण करने में वस्तुतः गर्व की अनुभूति करता है । विगत कुछ वर्षों में, केएमसी के छात्रों ने आने वाली पीढ़ी के लिए नए मील के पथर स्थापित किए हैं । सफलता की राह पर, हमारे प्रतिभाशाली शिष्यों ने यूपीएससी-सीएसई (यूपीएससी-सिविल सेवा परीक्षा) 2022 और कैट 2022 (कॉमन एडमिशन टेस्ट-2022) में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है ।

यूपीएससी-सीएसई (यूपीएससी-सिविल सेवा परीक्षा) 2022



गरिमा लोहिया

यूपीएससी सीएसई – एआईआर 2
बी.कॉम.(सामान्य)
2017–2020



गोल्डी गुप्ता

यूपीएससी सीएसई – एआईआर 181
राजनीति विज्ञान
2013–2016



स्वप्निल भट्टाचार्य

यूपीएससी सीएसई – एआईआर 344
भौतिकी (विशेष)
2015–2018



विवेक यादव

यूपीएससी सीएसई – एआईआर 718
राजनीति विज्ञान
2016–2019



कोमल मीना

यूपीएससी सीएसई – एआईआर 765
प्राणी-विज्ञान (विशेष)
2016–2019



शिवम कुमार

यूपीएससी सीएसई – एआईआर 796
अंग्रेजी (विशेष)
2017–2020

कैट 2022



सृजन जैन

कैट 2022 प्रतिशत 99.40
बी.कॉम (विशेष)
2020–2023



गरिमा गर्ग

कैट 2022 प्रतिशत 99.64
बी.कॉम (विशेष)
2020–2023



यूपीएससी-सीएसई (यूपीएससी-सिविल सेवा परीक्षा) 2023



जसवन्त मलिक
यूपीएससी सीएसई — एआईआर 115
गणित (विशेष)
2012–2015



शुभम सांगवान
यूपीएससी सीएसई — एआईआर 223
बी.ए. (सामान्य)
2018–2021



विवेक यादव
यूपीएससी सीएसई — एआईआर 361
राजनीति-विज्ञान (विशेष)
2016–2019



कंचन चौधरी
यूपीएससी सीएसई — एआईआर 408
भूगोल (विशेष)
2014–2017



पार्थ
यूपीएससी सीएसई — एआईआर 458
राजनीति-विज्ञान (विशेष)
2015–2018



सचिन अग्रवाल
यूपीएससी सीएसई — एआईआर 471
इतिहास (विशेष)
2017–2020

कैट 2022



ऋत्विक् मेहता
यूपीएससी सीएसई — एआईआर 520
भूगोल (विशेष)
2016–2019



राजहन्स सिंह
यूपीएससी सीएसई — एआईआर 612
राजनीति-विज्ञान (विशेष)
2016–2019

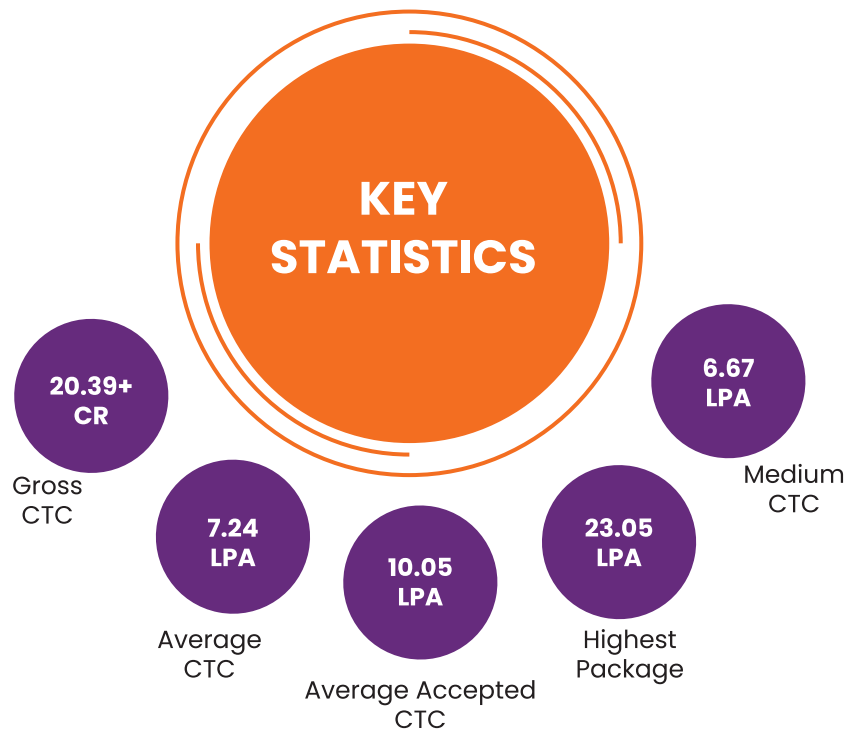


सालिम नसीर खान
एफएमएस पीजीपी.26
कैट.23 98.81%

हमारे चयन-कर्ता



प्लेसमेंट हाइलाइट्स



मुख्य आंकड़े



हमारे उल्लेखनीय पूर्व-छात्र



श्री अमिताभ बच्चन
भारतीय अभिनेता



श्री नवीन पटनायक
ओडिशा के मुख्यमंत्री



श्री मदनलाल खुराना
दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री



पद्मा बंदोपाध्याय
प्रथम महिला एयर मार्शल



जस्टिस ज्योति सिंह
न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय



कप्तान एम एस कोहली
पूर्व सीमा पुलिस अधिकारी



प्रोफेसर कपिल कुमार
इग्नू के पूर्व वीसी



श्री एम.के. कौशिक
होकी खिलाड़ी और कोच



श्री योगेश कथुनिया
एथलीट



श्री शौनक सेन
फ़िल्म निर्देशक



श्री विवेक ठाकुर
सांसद



श्री सुखदेयो भगत
सांसद

हमारे उल्लेखनीय पूर्व-छात्र



श्री सुधाकर सिंह
सांसद



न्यायमूर्ति हशीकेश रॉय
न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय



न्यायमूर्ति एन.कोटिश्वर सिंह
न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय



श्री दिव्यांशु शर्मा
अभिनेता



श्री सिद्धार्थ
अभिनेता



सुश्री सरगुन मेहता
अभिनेत्री



श्री मोहम्मद जीशन अय्युब
अभिनेता



श्री अभिषेक बैनर्जी
अभिनेता



श्री कबीर खान
फिल्म-निर्देशक



श्री सतीश कौशिक
अभिनेता



श्री सुशान्त सिंह
अभिनेता



श्री के.के.
गायक



दिल्ली विश्वविद्यालय UNIVERSITY OF DELHI

Acad.I/299/Academic Calendar/

Dated 02.08.2024

NOTIFICATION

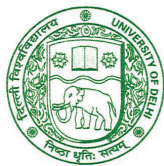
The Academic Calendar to be followed for the first year of Undergraduate Courses for the academic session 2024-25, is hereby notified for necessary compliance by all concerned:

Semester I	
Classes Begin	29 th August, 2024 (Thursday)
Mid Semester Break	27 th October, 2024 (Sunday) to 3 rd November, 2024 (Sunday)
Classes began after Mid Semester Break	4 th November, 2024 (Monday)
Dispersal of classes, preparation leave and practical examination begin	24 th December, 2024(Tuesday)
Theory examinations begin	6 th January, 2025(Monday)
Winter Break	25 th January, 2025 (Saturday)
Semester II	
Classes begin	27 th January, 2025(Monday)
Mid Semester Break	9 th March, 2025 (Sunday) to 16 th March, 2025 (Sunday)
Classes begin after Mid semester break	17 th March, 2025 (Monday)
Dispersal of classes, preparation leave and practical examination begin	25 th May, 2025 (Sunday)
Theory Examination Begin	7 th June, 2025, (Saturday)
Summer Vacation	29 th June, 2025 (Sunday) to 20 th July, 2025 (Sunday)

Neel
9/8/24
REGISTRAR
L

दिल्ली विश्वविद्यालय, मुख्य परिसर, दिल्ली-110007 (भारत) दूरभाष : 27667725/27001000; वेबसाइट : www.du.ac.in
University of Delhi, Main Campus, Delhi-110007 (India) Tel. : 27667725/27001000; Website : www.du.ac.in





दिल्ली विश्वविद्यालय UNIVERSITY OF DELHI

Acad.I/299/Academic Calendar/318

Dated 09.07.2024

NOTIFICATION

The Academic Calendar to be followed for the IIIrd, IVth, Vth, & VIth, semester of the Undergraduate Programmes for the academic session 2024-25, is hereby notified for necessary compliance by all concerned:

Semester III/V	
Classes Begin	1 st August, 2024 (Thursday)
Mid Semester Break	27 th October, 2024 (Sunday) to 3 rd November, 2024 (Sunday)
Classes began after Mid Semester Break	4 th November, 2024 (Monday)
Dispersal of classes, preparation leave and practical examination begin	28 th November, 2024 (Thursday)
Theory examinations begin	10 th December, 2024 (Tuesday)
Winter Break	29 th December, 2024 (Sunday) to 1 st January, 2025 (Wednesday)
Semester IV/VI	
Classes begin	2 nd January, 2025 (Thursday)
Mid Semester Break	9 th March, 2025 (Sunday) to 16 th March, 2025 (Sunday)
Classes begin after Mid semester break	17 th March, 2025 (Monday)
Dispersal of classes, preparation leave and practical examination begin	30 th April, 2025 (Wednesday)
Theory Examination Begin	13 th May, 2025 (Tuesday)
Summer Vacation	1 st June, 2025 (Sunday) to 20 th July, 2025 (Sunday)

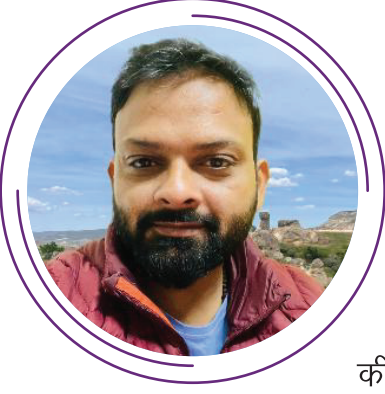
In order to give effect to the above mentioned Academic Calendar for the Academic Session 2024-25, summer vacation notified in the existing Academic Calendar for the Undergraduate Programmes for the academic session 2023-24 has been extended from 22nd July, 2024 to 31st July, 2024.

Neel
9/7/24
REGISTRAR

दिल्ली विश्वविद्यालय, मुख्य परिसर, दिल्ली-110007 (भारत) दूरभाष : 27667725/27001000; वेबसाइट : www.du.ac.in
University of Delhi, Main Campus, Delhi-110007 (India) Tel. : 27667725/27001000; Website : www.du.ac.in



संयोजक-संदेश



“मैं विवरण-पत्रिका-समिति के सभी सदस्यों का, उनके अथक परिश्रम व मूल्यवान योगदान के लिए, हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। प्रस्तुत कृति हमारे उद्यमी समूह के समर्पण और प्रयास को प्रदर्शित करता है। आशा है कि यह विवरण-पत्रिका उन छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन होगी जिन्होंने हम पर विश्वास किया है। हम, केएमसी बन्धु-वर्ग, आपका स्वागत करते हैं और आपके उज्ज्वल भविष्य के प्रयासों में आपको सर्वश्रेष्ठ की शुभकामनाएँ प्रदान करते हैं।”

डॉ. सुमित कुमार शर्मा
गणित विभाग

सदस्य



प्रो. हरीश
संस्कृत विभाग



डॉ. प्रणव कुमार
भौतिकी विभाग



सुश्री नीरु
अंग्रेजी विभाग



श्री बी. सेमथांगा
गणित विभाग



श्री स्टैनज़िन दोर्जई
गणित विभाग



डॉ. ऋतु वाष्ण्य गुप्ता
हिंदी विभाग



सुश्री चित्रा वर्मा
अर्थशास्त्र विभाग

पदेन सदस्य



डॉ. राम सुनील लालजी
सचिव, कर्मचारी परिषद



डॉ. लुकराम इंगोचौबा मीतेई,
मीडिया समिति



डॉ. विजेंद्र कुमार पांडेय
संयोजक, पोर्टल समिति





70

उत्कृष्टता के वर्ष



किरोड़ीमल महाविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय, यूनिवर्सिटी एन्क्लेव, दिल्ली - 110 007

011 - 7121 9084, info@kmc.du.ac.in

© 2024 किरोड़ीमल कॉलेज सर्वाधिकार सुरक्षित.



www.kmc.du.ac.in



KMCollegeDelhi